संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 10 फरवरी 2024 ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 40 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को प्रदेश के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल कर्नल एसएफएच रिजवी ने राम मन्दिर, अयोध्या की चन्दन की खुशबू से सुगंधित एवं गोल्ड फॉयल प्रिंटेड डाक टिकट भेंट की।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को जमकर लगाई फटकार

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के एक सरकारी स्कूल में एक टीचर द्वारा एक मुस्लिम बच्चे को अन्य दूसरे बच्चों द्वारा थप्पड़ मारने को कहा गया था। जिसके बाद बच्चों ने एक-एक कर उस बच्चे को लगातार कई थप्पड़ मारे थे। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुई थी और सोशल मीडिया यूजर्स ने टीचर की काफी आलोचना की थी। वहीं, अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार को भी फटकार लगाई है। रउ ने यूपी सरकार को उन छात्रों की काउंसलिंग नहीं करने के लिए डांट लगाई, जिन्हें कथित तौर पर उनके स्कूल शिक्षक ने होमवर्क नहीं करने पर एक मुस्लिम लड़के को थप्पड़ मारने का निर्देश दिया था। यह देखते हुए कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उसके निदेर्शों का पूर्ण उल्लंघन किया गया है, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने राज्य को उन बच्चों की काउंसलिंग करने और दो सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। हमने नई ळक्कर रिपोर्ट का अध्ययन किया है, जिसमें उन सभी छात्रों की काउंसलिंग की बात कही गई है, जिन्होंने प्रतिभागियों और गवाहों के रूप में शारीरिक दंड में भाग लिया था। राज्य द्वारा कुछ भी नहीं किया गया है, अब बहुत देर हो चुकी है। पीठ ने मामले को 1 मार्च को सुनवाई के लिए पोस्ट करते हुए कहा, हम राज्य को निर्देश देते हैं कि वह विशेष रूप से गवाही देने वाले बच्चों के लिए निदेर्शों को तुरंत लागू करें। अनुपालन हलफनामा दो सप्ताह में दायर किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने कहा कि दो संगठनों ने छात्रों की काउंसलिंग के लिए स्वेच्छा से काम किया है और अधिक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा है। अदालत ने पहले राज्य सरकार को उस मुस्लिम लड़के और उसके सहपाठियों की काउंसलिंग के लिए एक एजेंसी नियुक्त करने के अपने आदेश का पालन नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी, जिन्हें कथित तौर पर उनके स्कूल शिक्षक ने होमवर्क न करने पर उसे थप्पड़ मारने का निर्देश दिया था। मुजफ्फरनगर जिले के स्कूल की महिला टीचर पर भी पीड़ित लड़के पर सांप्रदायिक टिप्पणियां करने का आरोप लगा है। शीर्ष अदालत ने लड़के और उसके सहपाठियों को परामर्श देने के तरीकों का सुझाव देने के लिए टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), मुंबई को नियुक्त किया था।

आदर्श विचार

"शिक्षा और ज्ञान उसी को मिलता है जिसमें जिज्ञासा होती है।"
भागवद्

मन की बात

"बाहरी स्वभाव केवल अंदरूनी स्वभाव का बड़ा रूप हैं।"
स्वामी विवेकानंद

तीसरी आंख

'जय किसान, जय विज्ञान', भारत रत्न सम्मान

नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और स्वामीनाथन को भारत रत्न, चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी ने लिखा- दिल जीत लिया

रत्नों को सम्मान

8 2014 में सत्ता संभालने के बाद से मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिया गया यह दसवां भारत रत्न है

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न (मरणोपरांत) देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों शख्सियतों को देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान देने की जानकारी सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरों के साथ शेयर की। चौधरी चरण सिंह देश के पांचवें और नरसिम्हा राव नौवें प्रधानमंत्री थे। वहीं कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन को हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। पीएम की घोषणा पर चौधरी चरण सिंह के पोते और राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी ने लिखा- दिल जीत लिया। 2014 में सत्ता संभालने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिया गया यह दसवां भारत रत्न है। इससे पहले 3 फरवरी को भाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी और 23 जनवरी को बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर (मरणोपरांत) को भारत रत्न देने का ऐलान किया गया। इस तरह इस साल 5 हस्तियों को यह सम्मान देने का ऐलान हो चुका है। इनके अलावा मोदी के कार्यकाल में मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी, प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को यह सम्मान मिल चुका है। आज की तीन हस्तियों को मिलाकर इस सम्मान को हासिल करने वालों में अब तक कुल 53 लोग शामिल हो चुके हैं।

चौधरी चरण सिंह: प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा- हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे।

नरसिम्हा ने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोला था

पीवी नरसिम्हा राव: पीएम मोदी ने लिखा- प्रधानमंत्री के रूप में नरसिम्हा राव गारू का कार्यकाल महत्वपूर्ण उपायों द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया, जिससे आर्थिक विकास के एक नए युग को बढ़ावा मिला।

डॉ. एमएस स्वामीनाथन: पीएम मोदी ने लिखा- यह बेहद खुशी की बात है कि भारत सरकार कृषि और किसानों के कल्याण में हमारे देश में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. एमएस स्वामीनाथन जी को भारत रत्न से सम्मानित कर रही है। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारत को कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वामीनाथन को 'भारत रत्न' सम्मान, बेटी बेहद खुश

टीम एक्शन इंडिया/कन्नूर

मशहूर कृषि वैज्ञानिक एवं देश में हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने के केंद्र सरकार के फैसले का डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने स्वागत किया। बता दें कि डॉ. सौम्या, एमएस स्वामीनाथन की बेटी हैं और उन्होंने कहा कि पिता इससे खुश होते, लेकिन उन्होंने कभी पुरस्कारों के लिए काम नहीं किया। डब्ल्यूएचओ की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक और पूर्व उप महानिदेशक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि उन्हें गर्व और खुशी है कि उनके पिता के काम को देश में सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मान्यता मिली है।

यूपीए ने अर्थव्यवस्था का सत्यानाश किया: सीतारमण

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यूपीए और एनडीए के 10 साल का कामकाज पर श्वेत पत्र पर स्पीच दी। वित्त मंत्री ने कहा कि 10 साल के कामकाज पर ये श्वेत पत्र बड़ी ही जिम्मेदारी के साथ रखा गया है। सीतारमण ने कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, कोल स्कैम, एनपीए, कोल ब्लॉक एलोकेशन जैसे मुद्दों के जरिए यूपीए सरकार पर निशाना साधा। सीतारमण ने कहा कि यूपीए की नीति कभी भी नेशन फर्स्ट की नहीं रही। इन्होंने फैमिली फर्स्ट नीति रखकर अर्थव्यवस्था को बदहाल कर डाला। सीतारमण ने कहा कि इन्होंने जो सत्यानाश किया, उसे हमने सुधारा और आज ये मगरमच्छ के आंसू रो रहे हैं। स्पीच के अंत में सीतारमण ने कहा कि हमारी जिम्मेदार सरकार ने अर्थव्यवस्था को बहुत खराब स्थिति से उबारा है। आज यहां पहुंचे हैं तो 10 साल की मेहनत है। 2047 में विकसित भारत बनाने वाले हम ही होंगे। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में भारतीय अर्थव्यवस्था पर 59 पेज का श्वेत पत्र पेश किया था। इसमें बताया गया है कि जब 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता संभाली, तो अर्थव्यवस्था नाजुक स्थिति में थी।

सीएम मनोहर ने 33 परियोजनाओं को दी मंजूरी

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़

हरियाणा सरकार ने ग्रामीण संवर्धन और महाग्राम योजना के तहत 5 जिलों नामत: जींद, हिसार, सिरसा, कैथल और भिवानी में 190 करोड़ रुपये करोड़ रुपये से अधिक लागत की 33 नई परियोजनाएं लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली इन परियोजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि महाग्राम योजना के तहत जिला जींद के गांव नगुरां में जल आपूर्ति प्रणाली का संवर्धन और जल कार्यों के निर्माण के लिए 43.91 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से व 25.31 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सीवरेज व्यवस्था उपलब्ध करवाना और

जिला हिसार के खेदड़ में जल आपूर्ति योजना के उन्नयन के लिए 10.63 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के नए कार्य शामिल हैं।

सिरसा जिले में ग्रामीण संवर्धन कार्यक्रम के तहत स्वीकृत परियोजनाएं: प्रवक्ता ने बताया कि सिरसा जिले में ग्रामीण संवर्धन कार्यक्रम के तहत जिन परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई उनमें जिला सिरसा के गांव हसनगढ़, उकलाना के लिए 3.07 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सुधार जल आपूर्ति योजना, गांव भादडा, कालांवाली में 3.15 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जल आपूर्ति योजना का विस्तार/अद्यतन, गांव गोरीवाला, डबवाली में 5.17 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जलापूर्ति योजना का नवीनीकरण और बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण और बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण, गांव रामपुरा बिश्नोईया में 3.33 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एमजीजीबीवाई कॉलोनी का नवीनीकरण जलापूर्ति योजना, बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण और जलापूर्ति सुविधा प्रदान करना तथा गांव सुखेरनवाला खेड़ा के एमजीजीबीवाई कॉलोनी में 3.45 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कार्य संरचनाओं की मरम्मत, वितरण को मजबूत करना और जल आपूर्ति सुविधाएं प्रदान करना शामिल है।

विपक्षी नेता फोन जमा कर जांच में करें मदद: अश्विनी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को विपक्ष से 'आईफोन जासूसी अलर्ट' मामले में जांच को लेकर सहयोग करने की मांग की है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ आरोप लगाने भर से ही काम नहीं चलेगा। विपक्ष को कथित 'आईफोन जासूसी अलर्ट' मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों की मदद करनी होगी। केंद्रीय मंत्री शिवसेना यूबीटी की नेता प्रियंका चतुर्वेदी के सवालों का सदन में जवाब दे रहे थे।

पीएम ने सांसदों से कहा- साथ चलिए, सजा नहीं दूंगा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संसद की कैंटीन में कई राजनीतिक दलों के सांसदों के साथ लंच किया। कुछ रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि इन सांसदों को दोपहर ढाई बजे इस अनौपचारिक लंच की सूचना मिली। प्रधानमंत्री जब कैंटीन में पहुंचे तो सांसदों से कहा मेरे साथ चलिए, आपको सजा नहीं दूंगा। प्रधानमंत्री के साथ लंच में भाजपा सांसद हिना गावित, एस फेंगनोन कोन्याक, जामयांग नाम्ग्याल, एल मुरुगन, टीडीपी सांसद राम मोहन नायडू, बसपा सांसद रितेश पांडे और सांसद सस्मित पात्रा मौजूद थे। प्रधानमंत्री और सांसदों की यह लंच मीटिंग करीब 45 मिनट चली।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर चार तस्वीरें शेयर कीं और लिखा- आज दोपहर में शानदार भोजन का आनंद लिया। विभिन्न दलों और देश के विभिन्न हिस्सों से आए सांसदों के सहयोग से यह और भी बेहतर बन गया। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि पीएम और सांसदों का लंच करीब 45 मिनट तक चला। इ

लंच में चावल-दाल, खिचड़ी और रागी के लड्डू

पीएम और सांसदों ने चावल, दाल, खिचड़ी, रागी और तिल के लड्डू खाए। लंच के बाद प्रधानमंत्री ने पीएमओ को लंच का बिल पे करने को कहा। लंच में मौजूद एक सांसद ने बताया कि ये बिल्कुल अनौपचारिक लंच था। ऐसा लगा ही नहीं कि हम लोग प्रधानमंत्री के साथ बात कर रहे हैं। ये बहुत अच्छा अनुभव था। प्रधानमंत्री ने सांसदों के साथ अपने विदेश दौरों, नवाज शरीफ के साथ मुलाकात, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, अबु धाबी के मंदिर के बारे में बात की।

विभागों में भर्तियों को दी मंजूरी, विभिन्न मुद्दों पर 3 सब कमेटियों का किया गठन

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

कैबिनेट बैठक

8 विभिन्न महत्त्वपूर्ण मुद्दों को लेकर तीन अलग.अलग सब कमेटियों का भी गठन कियाा

शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश सचिवालय शिमला में प्रदेश कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने की। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। मंत्रिमंडल कि बैठक में विभिन्न पदों पर भर्ती को मंजूरी दी। इसके अलावा विभिन्न महत्त्वपूर्ण मुद्दों को लेकर तीन अलग.अलग सब कमेटियों का भी गठन किया। कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में आगामी विधानसभा सत्र को देखते हुए राज्यपाल के अभिभाषण पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान राज्यपाल के अभिभाषण का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सप्लीमेंट्री बजट लाने पर भी चर्चा हुई। कैबिनेट ने तय किया है कि दो ऑफि स पालमपुर और बद्दी-नालागढ़ (पाटा) में खोले जायेंगे। बैठक में प्रदेश में लंबित पड़े भर्तियों के मामलों पर सब कमेटी का गठन करने को स्वीकृति दी। इस सब कमेटी की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री करेंगे। वहीं सब कमेटी में हर्षवर्धन चौहान, जगत सिंह नेगी, विक्रमादित्य सिंह, यादवेंद्र गोमा शमिल होंगे। इसके अलावा प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के पास राज्स्व विभाग की बेकार पड़ी आर्वटित जमीनों के उचित इस्तेमाल को लेकर भी एक सब कमेटी का गठन किया गया। इस सब कमेटी की अध्यक्षता राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी करेंगे वहीं सदस्य के रूप में मंत्री अनिरुद्ध सिंह, विक्रमादित्य सिंह और राजेश धमार्णी शमिल होंगे।

हल्द्वानी हिंसा में अब तक पांच की मौत, कर्फ्यू जारी, इंटरनेट निलंबित

सख्ती

8 बनभूलपुरा हिंसा करने वाले एक-एक उपद्रवी की होगी शिनाख्त, होगी कड़ी कार्रवाई: मुख्यमंत्री धामी

देहरादून/नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया

नैनीताल जिले के हल्द्वानी में गुरुवार को हुई बनभूलपुरा हिंसा में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है जबकि तीन की हालत अत्यंत गंभीर है। उपद्रवियों से निपटने के लिए धामी सरकार सख्ती बरत रही है। राज्य सरकार ने साफ कर दिया कि बनभूलपुरा में हिंसा करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। शहर के उपद्रवग्रस्त इलाके में कर्फ्यू जारी है और इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी गई हैं।

उत्तराखंड पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि बनभूलपुरा हिंसा में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा में घायल तीन लोगों की स्थिति अत्यंत गंभीर है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजधानी में अपने सरकारी आवास पर स्थिति पर उच्च अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। इस बीच ड्रोन से पूरे वनभूलपुरा क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। पुलिस मुख्य साजिशकर्ता को तलाश कर रही है। इस मामले में अब तक तीन एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए पूरे शहर में इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी है।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने आवास पर हुई बैठक में निर्देश दिए हैं कि अवैध निर्माण हटाने के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमला करने और अशान्ति फैलाने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने शान्ति व कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एडीजी (कानून और व्यवस्था) एपी अंशुमान को प्रभावित क्षेत्र में कैंप करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आगजनी और पथराव करने वाले एक-एक उपद्रवी की पहचान कर कार्रवाई की जाए। बैठक में विशेष प्रमुख सचिव/ एडीजी अमित सिन्हा, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, अपर सचिव जेसी कांडपाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नैनीताल ब्यूरो के अनुसार आज सुबह जिलाधिकारी वंदना सिंह ने पत्रकारों से कहा कि बिना उकसावे की कार्रवाई पर अधिकारियों को थाने में जिंदा जलाने की कोशिश की गई। फिलहाल हल्द्वानी में स्थिति नियंत्रण में हैं। डीएम वंदना ने कहा कि शहर में 1100 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। उपद्रवग्रस्त इलाके में कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमला एक तरह से कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए किया गया है। ढाई घंटे के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। इस मामले में चार उपद्रवी पुलिस हिरासत में हैं।

डीएम ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कई दुकानें भी हटाई गईं। प्रशासन की कार्रवाई में किसी का घर नहीं टूटा और न ही कोई बेघर हुआ। डीएम ने साफ किया कि वहां कोई धार्मिक स्थल नहीं था। नजूल भूमि पर अतिक्रमण था। भीड़ प्रशासनिक मशीनरी पर हमला करने पर आमादा थी और उन पर यह हमला सुनियोजित था।

उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान आधे घंटे के भीतर ही नगर निगम की टीम पर पथराव किया गया। उन्हें शांत किया तो दूसरी भीड़ ने पेट्रोल बमों से हमला कर दिया। इसके बाद भीड़ ने थाने को निशाना बनाया और वाहन फूंक डाले। उन्होंने कहा कि हमलावरों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की गई। आत्मरक्षार्थ गोली चलाने के आदेश दिए गए। यहां से भीड़ को हटाया गया तो दंगाई गांधीनगर पहुंच गए। वहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। स्थिति संभालने के लिए पीएसी व अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया।

पत्रकारों से बातचीत में एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि 15-20 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। इनसे क्षति की वसूली की जाएगी। अगले तीन घंटों में कार्रवाई शुरू हो जाएगी।

दो सूत्रीय मांग को लेकर पिंडर घाटी के प्रधानों का तहसील पर प्रदर्शन

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया

चमोली जिले के पिंडर घाटी के देवाल, थराली और नारायण बगड विकास खंडों के प्रधानों के साथ ही स्थानीय ग्रामीणों ने शुक्रवार को तहसील थराली में प्रदर्शन किया। उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर पिंडर घाटी को पिछड़ा क्षेत्र घोषित करने तथा कस्बी नगर-विनायक धार मोटर मार्ग के निर्माण की मांग की गई है।

प्रधान संगठन के अध्यक्ष जगमोहन सिंह रावत, मनोज सती, प्रेमबल्लभ शर्मा, दीपा देवी का कहना है कि जोशीमठ ब्लॉकी तर्ज पर पिंडर घाटी को भी पिछड़ क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए ताकि यहां के लोगों का भी विकास हो सके। साथ उन्होंने कहा कि कस्बी नगर मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण आमरण अनशन पर बैठे है लेकिन उनकी कोई सुध नहीं ली जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता पिछले 50 वर्ष से पिंडर घाटी को खंसर घाटी से जोड़ने वाली पांच किलोमीटर कस्बीनगर-विनायक धार मोटर मार्ग को लेकर संघर्षरत हैं लेकिन अभी तक इसका निर्माण नहीं हो पाया है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र मोटरमार्ग का निर्माण शुरू नहीं हुआ तो जनता उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस संबंध में जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री के नाम उन्होंने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया।

मोबाइल लूटने वाले दो शातिर दबोचे, बाइक व सात मोबाइल बरामद

चालान

8 पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

दो दिन पूर्व कनखल के जमालपुर कलां क्षेत्र में कोचिंग से घर जाते समय छात्रा से मोबाइल लूटने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से घटना में प्रयुक्त बाइक व सात मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक जमालपुर कलां कनखल निवासी भीमसेन की बेटी 7 फरवरी को कोचिंग से घर जा रही थी। इसी दौरान दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने डरा धमकाकर उससे मोबाइल लूट लिया। इस संबंध में पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए घटनास्थल के आसपास के सैकड़ों सीसीटीवी चैक किए। जिसके चलते पुलिस ने शुक्रवार को ग्राम जियापोता से चैकिंग के दौरान दो कुलदीप पुत्र राजकुमार व शेखर पुत्र सुरेश कुमार निवासीगण शाहपुर शीतलाखेडा थाना पथरी जनपद हरिद्वार को घटना में प्रयुक्त बाइक व लूट के ।सात मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया। बरामद मोबाइलों में से एक के संबंध में थाना कनखल व नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

हरिद्वार में मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

तीर्थनगरी हरिद्वार में शुक्रवार को मौनी अमावस्या पर देश के कई प्रदेशों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित किया। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण व नारायण बलि आदि कर्म किए। श्रद्धालुओं ने हरकी पौड़ी ब्रह्म कुण्ड समेत गंगा के विभिन्न घाटों पर पुण्य की डुबकी लगाई। सुबह से शुरू हुआ स्नान का सिलसिला दिन भर चलता रहा।माघ महीने की अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस तिथि को स्नान और दान का बड़ा महत्व माना गया है। मौनी अमावस्या पर विष्णु की पूजा का विधान है।पं. देवेन्द्र शुक्ल शास्त्री के मुताबिक इस दिन दान देने से ग्रह दोष खत्म हो जाते हैं।

हल्द्वानी की घटना के बाद हरिद्वार में भी अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर तैनात पुलिस

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद पूरे उत्तराखंड में हाई अलर्ट किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दंगाइयों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। हरिद्वार में भी पुलिस प्रशासन पूरा सतर्क नजर आ रहा है। जुम्मे की नमाज को देखते हुए समुदाय विशेष बाहुल्य क्षेत्र में पुलिस द्वारा निगरानी रखी जा रही है।

हरिद्वार एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि हरिद्वार को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। आज जुम्मे की नमाज भी है। इसमें किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना हो, इसलिए सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया है।

कई संवेदनशील क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। किसी भी प्रकार की घटना को रोकने के लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में खुफिया विभाग को भी अलर्ट किया गया है। साथ ही ड्रोन कैमरे से भी निगरानी रखी जा रही है। अगर यहां कोई भी माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखंड के 10 छात्रों को यूके में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

शेवेनिंग अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य सरकार की तरफ से 10 ग्रेजुएट छात्रों को यूनाइटेड किंगडम में अध्ययन का अवसर मिलेगा। जिसमें पांच छात्र और पांच छात्राएं शामिल होंगी।

सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शेवेनिंग इंडिया की प्रमुख सुप्रिया चावला ने इस संबंध में भेंट की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को आगे लाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा मेधावी छात्रवृत्ति प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। राज्य के सरकारी महाविद्यालयों के जिन मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना के तहत विदेश भेजा जा रहा है, उन्हें शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के साथ आवश्यक कौशल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

सुप्रिया चावला ने बताया कि शेवनिंग चार दशकों से 160 देशों में काम कर रहा है। संगठन की ओर से उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को इंग्लैंड के किसी भी विश्वविद्यालय में प्रवेश की सुविधा प्रदान करता है, जिसकी लागत आमतौर पर एक वर्ष के लिए 40 लाख रुपये होती है। राज्य सरकार इस लागत में 20 लाख का योगदान देती है और शेवनिंग इंडिया शेष 20 लाख वहन करता है। शेवेनिंग छात्रवृत्ति के लिए सफल विद्यार्थियों को उनकी नेतृत्व क्षमता और शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर चुना जाता है। शेवेनिंग ने दुनिया भर में कई प्रभावशाली नेताओं और परिवर्तन-निमार्ताओं को तैयार किया है। इस अवसर पर सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगोली, सचिव डॉ.बी.वी.आर. सी. पुरुषोत्तम उपस्थित थे।

यूजीसी नेट एवं यू-सेट परीक्षा में श्री देवसुमन उत्तराखंड विवि के कई छात्र उत्तीर्ण

परीक्षा परिणाम

8 परिसर के निदेशक प्रोफेसर महावीर सिंह रावत एवं सभी प्राध्यापकों ने छात्र-छात्राओं के सिलेक्शन पर खुशी जाहिर की।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

पंडित ललित मोहन शर्मा श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने यूजीसी नेट एवं यू-सेट की परीक्षा परिणाम आ गया है। योगा साइंस विभाग की छात्रा दीपांजलि चौहान ने यूजीसी जेआरएफ एवं असिस्टेंट प्रोफेसर एलिजिबिलिटी टेस्ट पास कर ली है। रसायन विज्ञान की छात्रा सुहासिनी अवस्थी ने यू-सैट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। मनविंदर कौर डंग एवं दीप शिखा धीमान ने अंग्रेजी विषय में, सौम्या कौशिक ने कॉमर्स में, अनुराग शर्मा ने इतिहास विषय में, कौशल किशोर ने गणित में तथा गरिमा रानीवाल ने जंतु विज्ञान विषय में यू- सैट की परीक्षा अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। सुहासिनी अवस्थी एवं कौशल किशोर एवं सौम्या कौशिक वर्तमान में कैंपस में प्रि पीएचडी स्टूडेंट भी हैं।

छात्रा मनविंदर कौर डंग की माता मीनू डंग परिसर में सत्र 2020-21 में अभिभावक शिक्षक संघ की वाइस प्रेसिडेंट रही थीं। सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया है।

परिसर के निदेशक प्रोफेसर महावीर सिंह रावत एवं सभी प्राध्यापकों ने छात्र-छात्राओं के सिलेक्शन पर खुशी जाहिर की।

इस अवसर पर साइंस के डीन प्रोफेसर गुलशन कुमार ढींगरा, कॉमर्स की डीन प्रोफेसर कंचन लता सिंह, प्रोफेसर अनीता तोमर, प्रोफेसर एसपी सती, प्रोफेसर संगीता मिश्रा, डॉ. एसके कुड़ियाल, डॉ. राकेश कुमार जोशी, डॉक्टर श्री कृष्ण नौटियाल एवं डॉ. जेपी कंसवाल उपस्थित थे। श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एनके जोशी ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी हैं।

प्रवासी परिवारों की गर्भवती और बच्चों का किया टीकाकरण

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया

स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रतिरक्षण कार्यक्रम के तहत चमोली जिले में टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके तहत विभागीय टीमें निर्माण क्षेत्रों में कार्य कर रहे प्रवासी परिवार की गर्भवती और बच्चों का टीकाकरण कर रहे हैं। टीमों की ओर से जिले के विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्य में जुटे परिवारों के 24 बच्चों और दो गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. एमएस खाती ने शुक्रवार को बताया कि जिले में कार्यक्रम के तहत इन दिनों बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर सरकारी और निजी निर्माण कार्य किया जा रहा है। ऐसे में निर्माण कार्य में जुटे प्रवासी परिवार की गर्भवती और बच्चों के टीकाकरण से वंचित रहने की संभावनाओं को देखते हुए विभाग की ओर से कमेड़ा से हनुमानचट्टी, कर्णप्रयाग से ग्वालदम, गैरसैंण, पोखरी, देवाल, नंदानगर क्षेत्रों में निर्माण क्षेत्रों में सर्वेक्षण कर टीकाकरण किया जा रहा है।

सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी रचना ने बताया कि चमोली में प्रतिरक्षण सुपरवाइजर, एएनएम, आशा कार्यकत्री, आशा फेसिलिटेटर, ब्लाक कार्डिनेटर आशा के माध्यम से विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसमें तहत जोशीमठ ब्लॉक के हेलंग, गोविंदघाट, पोखरी ब्लॉक के सिनाऊ, कांडईखोला और नारायणबगड़ ब्लॉक के डुंगरी, निलाड़ी में एक वर्ष तक के 24 बच्चे और दो गर्भवती टीकाकरण से वंचित पाए गए। जिसके बाद सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं का निर्माण क्षेत्र में पहुंचकर एएनएम की ओर से टीकाकरण कर लिया गया है।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई–ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के द्वारा मुरादाबाद मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर एटीएम, रेल कोच रेस्टोरेंट, पे एंड यूज टॉयलेट एवं पार्किंग के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर 23.02.2024 को आमंत्रित की गई है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 424/2024

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	281-DRM-MB-23-24 Date: 07.02.2024		
Name of work	Construction of boundary wall near Station HQ/MB and its approaches as measure to safeguard track and establishment avoiding encroachment under DEN-HQ, Chargeable to Estimate no. 66/2019 (RRSK)		
Tender Closing Date & Time	04.03.2024	Tender Cost(₹)	₹0,00.00
Advertised Value(₹)	₹2,99,99,961.90	Earnest Money(₹)	₹3,00,000.00
Period of Completion	08 Months	Bidding Start Date	19.02.2024

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 07.02.2024 436/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हीरक जयंती समारोह में पूर्व अधिकारियों ने बीते दिनों को किया याद

समारोह

8 इन पूर्व अधिकारियों को सेवा के दौरान बहादुरी और विशिष्ट सेवा के लिए कई उत्कृष्ट सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

आईएमए में आयोजित 24 वें कोर्स हीरक जयंती समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से आए पूर्व अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां बिताए दिनों को याद किया। इन पूर्व अधिकारियों को सेवा के दौरान बहादुरी और विशिष्ट सेवा के लिए कई उत्कृष्ट सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। अब वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं लेकिन राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

भारतीय सैन्य अकादमी में 09-10 फरवरी को 33 नियमित (24 एनडीए) कोर्स, 3 ओटीजी, एसएसआरसी और आपातकालीन कमीशन के 20 अधिकारी हीरक जयंती पुनर्मिलन और संस्थान के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए। जिसने उन्हें 1964 में भारतीय सेना के वीर योद्धाओं में बदल दिया। 60 साल पहले 09 फरवरी 1964 को कुल 1192 कैडेट भारतीय सैन्य अकादमी से पास हुए और भारतीय सेना के अधिकारी बने।

समारोह की शुरूआत युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि के साथ हुई। तीनों सेनाओं के अधिकारियों की एकजुटता के प्रतीक के रूप में और 1965 एवं 1974 के दो युद्धों तथा कारगिल, नाथू ला, चो ला में दुश्मन सेना के खिलाफ लड़ाइयों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अपने बहादुर साथियों को सम्मान देने के लिए एयर कमोडोर पीटर पिंटो ने कोर्स की ओर से युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

2001 से 2003 तक भारतीय सैन्य अकादमी के कमांडेंट रहे लेफ्टिनेंट जनरल टीएस शेरगिल (सेवानिवृत्त) को भी इस कोर्स के साथ कमीशन प्राप्त हुआ था और वे भी इस पुनर्मिलन कार्यक्रम में उपस्थित थे।लेफ्टिनेंट जनरल टीएस शेरगिल ने उल्लेख किया कि फरवरी में पास आउट होने वाले कोर्स दुर्लभ हैं।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
(मुरादाबाद मण्डल) निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	01/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2024 द्वितीय कॉल– मुरादाबाद मंडल पर अन्य संबंधित विद्युत कार्यों के साथ फिटिंग के नए पैमाने के अनुसार वायरिंग के प्रावधान के लिए विद्युत कार्य।	18462807.24 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	242300.00	6 (छः) माह	निविदायें दिनांक 04.03.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय/उत्तर रेलवे मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. : 06/2024 दिनांक : 09.02.2024 449/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Punjab Land of Unlimited Opportunities

भगवंत सिंह मान

मुख्यमंत्री, पंजाब

द्वारा

घर-घर मुफ़्त राशन

की शुरुआत

✓ पहले चरण में

24.49 लाख लाभार्थी

✓ हर महीने

ताज़ा राशन

मुख्य अतिथि

श्री अरविंद केजरीवाल

मुख्यमंत्री, दिल्ली

10 फरवरी, 2024 | सुबह 11:00 बजे
अनाज मंडी, गाँव राहौण, समराला रोड,
खन्ना (लुधियाना)

सुचज्जा शासन, मुफ़्त राशन

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, पंजाब

संपादकीय

स्वामीनाथन: जिन्होंने भूख और अन्न का व्याकरण बदल दिया

सुप्रसिद्ध कृषि विज्ञानी प्रोफेसर मनकोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की गई है। पिछले साल ही 28 सितंबर को इस महान वैज्ञानिक का 98 साल की आयु में निधन हो गया था। उनके वैज्ञानिक अवदान की वजह से लाखों भारतीय गरीब दशकों तक भूख के खिलाफ जीवन-मरण की लड़ाई जीत सके या अकाल मौत का निवाला बनने से कम-से-कम बचे रह सके। मानव सेवा के क्षेत्र में इस सर्वोच्च योगदान की इसी वजह से टाइम मैगजीन ने 20वीं सदी के सबसे प्रभावशाली एशियाई के रूप में जिन तीन भारतीयों का चयन किया, उनमें रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी के साथ एमएस स्वामीनाथन का नाम था। स्वामीनाथन को हरित क्रांति का मुख्य वास्तुकार कहा जाता है। उन्होंने धान की ज्यादा पैदावार देने वाली किस्मों को विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। जिसने यह सुनिश्चित किया कि भारत के कम आय वाले किसान ज्यादा पैदावार ले सकें। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने अमेरिकी वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग और दूसरे वैज्ञानिकों के साथ मिलकर गेहूं की उच्च पैदावार वाली किस्म (एचवाईवी) के बीज विकसित किए, जिसने आगे चलकर हरित क्रांति की लहर के रूप में भारतीय कृषि जगत की सूरत बदल दी। देश में हरित क्रांति की शुरूआत दिल्ली-हरियाणा सीमा के एक गांव से हुई। जौंती के नाम से मशहूर यह गांव, देश के कृषि क्रांति का नर्सरी रहा है। स्वामीनाथन ने इस गांव का चयन गेहूं और बाजरा के उन्नतशील बीजों पर अनुसंधान के लिए किया था।

दरअसल, दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान 1943 में बंगाल में भीषण अकाल पड़ा, जिसमें भूख से छटपटाते करीब 20 लाख से ज्यादा भारतीयों की जान चली गई। बंगाल का अकाल भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक काल की सबसे बड़ी त्रासदियों में एक था। इसमें हुई मौतों के लिए ब्रिटेन के तत्कालीन पीएम विस्टन चर्चिल को भी जिम्मेदार माना जाता है। 4 अगस्त 1943 को चर्चिल की अगुवाई में वॉर कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें अधिकारियों ने बंगाल में भूख से मर रहे लोगों की मदद के लिए तत्काल पांच लाख टन गेहूं भारत भेजने की सिफारिश की। लेकिन चर्चिल ने न केवल भारत में अनाज भेजने से मना किया बल्कि यह ताना भी मारा कि खरगोश की तरह बच्चा पैदा करने वाले भारतीय इस अकाल के लिए खुद जिम्मेदार हैं। इसी बैठक में चर्चिल ने यूरोप के बाकी हिस्सों में अनाज भेजने के आदेश दिए ताकि दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेज सैनिकों के लिए खाने की कमी न हो। बहरहाल, तमिलनाडु के कुंभकोणम में 7 अगस्त, 1925 को पैदा हुए 18 वर्षीय युवक स्वामीनाथन को इस परिदृश्य ने झकझोर कर रख दिया। अनाज के बिना मौत के भयावह आंकड़ों ने युवक स्वामीनाथन के भीतर देश के हर व्यक्ति के लिए खाद्यान्न सुनिश्चित कराने के संकल्पों को भी कहीं मजबूत किया। 1944 में स्वामीनाथन ने मद्रास एग्रीकल्चर कॉलेज से कृषि विज्ञान में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की। 1960 के दशक के आखिरी वर्षों में स्वामीनाथन का संकल्प आखिरकार सिद्ध हुआ। हर भारतीय के लिए खाद्यान्न सुनिश्चित कराने के अपने संकल्प को स्वामीनाथन ने हरित क्रांति के जरिये पूरा कर दिखाया। यह किसी चमत्कार से कम नहीं था कि भारत सरकार ने 1971 में देश को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर घोषित कर दिया।

राजस्थान के बजट दिखा मोदी विजन

रमेश सर्राफ धमोरा

> अपने बजट भाषण के दौरान जब कांग्रेस नेता शांति धारीवाल बार-बार उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को टोक रहे थे तो उन्होंने धारीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सिर्फ मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां पर महिलाएं भी बराबर की संख्या में है। उनके पास भी वोट की शक्ति है। इसी के चलते राज्य सरकार ने अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के हित की कई योजनाओं की घोषणा कर उन पर पूरा फोकस रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक करोड़ नई लखपति दीदी बनाने की घोषणा की थी उसी की तर्ज पर राजस्थान के बजट में भी 5 लाख परिवार की महिलाओं को लखपति दीदी योजना में शामिल कर उनकी आय को एक लाख से अधिक बढ़ाया जाएगा। गरीब परिवारों में कन्या के जन्म पर एक लाख रुपए का सेविंग बांड दिया जाएगा

राजस्थान में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में पेश किए गए भाजपा सरकार के पहले लेखा अनुदान (अंतरिम बजट) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन परिलक्षित हुआ है। यह बजट पूरी तरह से आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लोक लुभावना बनाया गया है। हालांकि अंतरिम बजट होने के कारण इसमें अधिक घोषणायें नहीं की गई है। फिर भी बजट में ऐसी अन्य को बातों को शामिल किया गया है जिसका असर सीधे आम लोगों पर पड़ता है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कई गारंटी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी की बहुत सी गारंटीयों को इस बजट में शामिल किया गया है। अनुभव के हिसाब से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वित्तमंत्री के रूप में पहला बजट पेश किया था। मगर जिस तरह से उन्होंने बजट भाषण पढ़ा उसमें पूरा आत्मविश्वास झलक रहा था।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का यह पहला बजट था। इस कारण सरकार को चुनाव के दौरान किए गए लोक लुभावने वायदों को बजट में शामिल किया जाना बहुत जरूरी था। उसी को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने बजट में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों, धमार्चार्य को खुश करने के लिए बजट में कई तरह के प्रावधान किए हैं। प्रदेश में बुजुर्गों को अभी तक रोडवेज की बसों में 30 प्रतिशत किराए में छूट मिलती थी जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा मासिक पेंशन को एक हजार रुपए से बढ़कर 1150 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री ने बजट में 70 हजार युवाओं को नई नौकरी देने की घोषणा की है। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा भर्ती कैलेंडर भी बनाने की बात कही गई है। राजस्थान में पिछली अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सबसे बड़ा मुद्दा भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली को लेकर था। गहलोत सरकार के कार्यकाल में 18 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण परीक्षाओं को निरस्त करना पड़ा था। बाद में प्रशासनिक परीक्षाओं में भी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के परिजनों के चयन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते आम जन में गहलोत सरकार की नकारात्मक छवि बनी थी। इस बात को ध्यान में रखकर भाजपा सरकार ने अपने पहले ही बजट में युवाओं को लुभाने के लिए एक साथ 70 हजार नयी भर्तियों की घोषणा की है। हालांकि भाजपा ने चुनाव से पहले राजस्थान लोक सेवा आयोग में आमूल चूल परिवर्तन करने की बात भी कही थी। मगर उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। भाजपा को पता है कि प्रदेश के युवा मतदाताओं की बदौलत ही उनकी सरकार बन पाई है। ऐसे में उन्हें अपने साथ जोड़े रखना बहुत जरूरी है। संविदा पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिन, सहायिकाओं के साथ ही अन्य संविदा कर्मियों तथा पंचायती राज व नगरीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले मासिक भत्ते में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। प्रदेश में इसका बड़ा असर होगा तथा कई लाख लोगों को इस बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को फायदा मिल पाएगा। अपने बजट भाषण के दौरान जब कांग्रेस नेता शांति धारीवाल बार-बार उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को टोक रहे थे तो उन्होंने धारीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सिर्फ मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां पर महिलाएं भी बराबर की संख्या में है। उनके पास भी वोट की शक्ति है। इसी के चलते राज्य सरकार ने अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के हित की कई योजनाओं की घोषणा कर उन पर पूरा फोकस रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक करोड़ नई लखपति दीदी बनाने की घोषणा की थी उसी की तर्ज पर राजस्थान के बजट में भी 5 लाख परिवार की महिलाओं को लखपति दीदी योजना में शामिल कर उनकी आय को एक लाख से अधिक बढ़ाया जाएगा। गरीब परिवारों में कन्या के जन्म पर एक लाख रुपए का सेविंग बांड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में प्रथम प्रसव पर 6 हजार रुपए दिए जाएंगे। जबकि अभी तक यह राशि पांच हजार थी। प्रदेश के सभी ब्लॉकों में एक-एक आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क बनेगी। सभी नारी निकेतनो में सीसीटीवी टीवी कैमरे लगाए जाएंगे। किसानों के लिए भी बजट में कई घोषणाएं की गई है। पीएम किसान निधि में मिल रहे 6000 की राशि को बढ़ाकर 8000 रुपए प्रतिवर्ष किया गया है। इस तरह हर किसान को साल में 2000 रुपए का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसे आगे बढ़कर 12000 रुपए तक किया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे चालू वर्ष में 5 लाख गोपालक परिवारों को एक लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाया जाएगा। करीबन 33 लाख किसानों को विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। अल्पआय, लघु सीमांत ,बटाईदार किसानों, खेती और श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। हालांकि सरकारी स्कूलों में आठवीं तक पढ़ाई और 12वीं तक किताबें पहले से फ्री दी जा रही है। 9वीं से 12वीं तक आंशिक फीस ही ली जा रही है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का नाम बदलकर अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। जिसमें कैंसर का डे केयर इलाज को भी शामिल किया गया है। हाईवे पर हादसों में जान बचाने के लिए 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सूर्योदय योजना की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के 5 लाख घरों पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जिससे उन परिवारों के लोगों को 300 यूनिट तक प्रतिमा बिजली निःशुल्क मिल सकेगी। प्रदेश में मन्दिरों के उन्नयन पर 320 करोड़ रुपए खर्च किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे विभिन्न धर्माचार्यों का सरकार को समर्थन मिलेगा। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल की अधिक कीमतों का विरोध करते हुए भाजपा सरकार बनने पर उन्हें कम करने का वायदा किया था। मगर राज्य सरकार के बजट में उस पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

जबकि प्रदेश के लोगों को अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में आज भी महंगी दरों पर पेट्रोल, डीजल खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों के मन में निराशा व्याप्त हुई है। प्रदेश के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार को पेट्रोल, डीजल की कीमतों में अविलम्ब कमी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करना चाहिए। जिससे आमजन को राहत मिल सकें। हालांकि सरकार ने चीनी व गुड़ से मंडी टैक्स हटाकर महंगाई कम करने का प्रयास किया है। इससे व्यापारिक वर्ग की एक पुरानी मांग पूरी हुयी है।

कविता

चार दिन जो तेरी सोहबत में आ जाये,
वो सचमुच राधा और मीरा हो जाये।

जो तेरी भक्ति में चरणों में आ जाये,
वो सचमुच बैकुण्ड को पा जाये।।

तेरे भजनों का असर है ऐसा प्रभु,
जो सुन ले वह चारों धाम का हो जाए।

तुझे याद करें हर दुख दूर हो जाए,
प्रभु कुछ ऐसा वरदान हम पा जाएं।

तेरी लीला अपरंपार है कन्हैया कान्हा,
तेरे भजनों से ही हमारा जीवन सार हो जाए।

ऐसा जतन कुछ करो प्रभु इस भव संसार में,
तेरे दर्शन को कोई ना कभी तरस पाये।

अपने चरणों के रज में हमें दे दो जरा सा स्थान,
हमारे इस जीवन की नैया पार लग जाए।

तूने हमें दिया मनुष्य का जन्म प्रभु,
सेवा में तेरे चरणों में स्थान पा जाए।

ऐसा वरदान हमें दे दे ईश्वर अब तू,
भजनों में तेरे हमारा जीवन लीन हो जाए।

संजीव

समग्र क्रांति के अग्रदूत महर्षि दयानंद

डॉ. मोक्षराज

गुजरात के गांव टंकारा में जन्मा एक ऐसा महापुरुष जिसके तर्क आज भी अकाट्य हैं। दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कवि प्रदीप ने ऋषि गाथा लिख व गाकर, बाबू देवेंद्रनाथ मुखोपाध्याय, रक्तसाक्षी पं. लेखराम, पं. घासीराम, मुंशी प्रेमचंद एवं कविवर मेथिलीशरण गुप्त ने लेखबद्ध कर गुजरात की धरती में जन्मी इस दिव्य आत्मा का गुणकीर्तन किया है। पाश्चात्य देशों में चर्चितः महर्षि दयानंद सरस्वती भारत के प्रथम महामानव थे जिनके बारे में 19वीं सदी के अमेरिकी एवं यूरोप के अखबारों में सबसे अधिक चर्चा रहती थी और इस चर्चा का प्रमुख कारण था महर्षि का क्रांतिकारी व्यक्तित्व। जन्मस्थली टंकाराः महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी, 1824 को तत्कालीन मोरवी राज्य के टंकारा गांव में हुआ । उनके पिता का नाम करसन तिवारी तथा मां का नाम यशोदा बेन उर्फ अमृतबाई था । वे औदीच्य ब्राह्मण थे। महान मार्गदर्शकः जो लोग महर्षि दयानंद से प्रभावित थे और उनका अनुसरण करते थे उनमें महारानी लक्ष्मीबाई, तांत्या टोपे, नाना साहब पेशवा, मैडम भीकाजी कामा, पंडित लेखराम, स्वामी श्रद्धानंद, श्यामजी कृष्ण वर्मा, सरदार किशन सिंह, सरदार भगत सिंह , विनायक दामोदर सावरकर, भाई परमानंद, लाला हरदयाल, मदन लाल ढींगरा, पं. राम प्रसाद बिस्मिल, लाला लाजपत राय, पं. गुरुदत्त विद्यार्थी, सुभाष चन्द्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, सरदार ऊधम सिंह, स्वामी भवानी दयाल संन्यासी, स्वामी शंकरानंद, पं. रुचिराम आर्य, महाशय राजपाल, महादेव गोविंद रानाडे, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, अशफाकउल्ला खां, महात्मा हंसराज, योगमाया न्यूपाने, सरदार वल्लभभाई पटेल आदि प्रमुख थे । अंधविश्वास व पाखंड पर निष्पक्ष व निर्भीक प्रहारः यद्यपि संत कबीरदास, गुरु नानकदेव व संत रविदास ने गहन साधना के प्रभाव से कई सदी पूर्व अनेक धार्मिक पाखंड का खंडन किया, पुनरपि महर्षि दयानंद ने जो वेद-शास्त्रों व अन्य मत मजहबों की समालोचना की उसका कोई प्रतिवाद नहीं कर सका। महर्षि दयानंद सरस्वती ने निष्पक्षता से सामाजिक एवं धार्मिक भेदभाव को मिटाने का यत्न किया । वे भले ही ब्राह्मण कुल में उत्पन्न हुए किंतु उन्होंने धर्म के नाम पर प्रचलित विभिन्न पाखंड व अंधविश्वासों का इतना विरोध किया कि उसके कारण भारत के बड़े-बड़े पंडित, मौलवी व देश विदेश के पादरी भी उनके न केवल विरोधी हुए बल्कि उनके खून के प्यासे हो गये । दुर्गा कुंड के पास आनंद बाग में 1868 में हुआ काशी शास्त्रार्थ इतिहास के पन्नों में उस अकाट्य प्रश्न को भी लिख गया- वेदों में मूर्तिपूजा है कहां ? तथा कुरान व बाइबिल अवैज्ञानिक हैं।

स्वराज्य के प्रथम मंत्रद्रष्टाः महर्षि दयानंद सरस्वती अंग्रेजी वायसरायों के समक्ष भी सदैव भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए मुखर रहे। वे किसी भी मत संप्रदाय से ईर्ष्या तो नहीं करते थे।

विचार

10 साल की उपलब्धियों का काल बनाम 10 साल अन्याय

किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोकसभा चुनाव अनुमानित अप्रैल माह में 7-9 चरणों में होने की संभावना लग रही है।इस तरह संसद का अंतिम सत्र बजट सत्र, जिसको एक दिन के लिए बढ़ाया गया है वह 10 फरवरी 2024 को समाप्त होगा, परंतु इस सत्र को ढाल बनाकर पक्ष विपक्ष अपनी अपनी उपलब्धियां व विफलताओं को गिना रहे हैं, जिसमें दोनों पक्षों द्वारा श्वेत पत्र, ब्लैक पेपर के रूप में जारी किया गया है जिसमें 59 पुष्ठ श्वेतपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किया गया है और उस पर 9 फरवरी 2024 को चर्चा हो रही है। इसकी काट में विपक्ष द्वारा 57 पुष्टि ब्लैक पेपर प्रस्तुत किया गया है जिसमें पिछले 10 वर्षों की विफलताओ को दिखाया गया है चूंकि आज सारा दिन सोशल मीडिया पर 59 पुष्ट का श्वेत पत्र बनाम 57 पुष्ठ का ब्लैक पेपर छाया रहा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, लोकसभा चुनाव के पहले ही सरकार और विपक्ष आक्रामक, तेवरों में लड़ाई उपलब्धियों अन्याय काल की गिनाई, संसद से सड़क तक आई।

साथियों बात अगर हम श्वेत पत्र बनाम ब्लैक पेपर की करें तो, लोकसभा चुनाव नजदीक है। सरकार चुनाव के लिए तैयार है। सरकार विपक्ष को कोई मौका नहीं देना चाहती पहले ही साफ कर दिया गया था कि सरकार बजट सत्र में श्वेत पत्र लाएगी। इसके जरिए स्पष्ट कर देगी कि सरकार देश में कितना बदलाव लेकर आई। इसका सकारात्मक असर लोकसभा चुनाव पर पड़ सकता है। अंतरिम बजट 2024 पेश करते हुए हाल में वित्त मंत्री ने यूपीए सरकार के दौरान लिए गए आर्थिक निर्णयों और देश पर उसके कारण पड़े दुष्प्रभाव के बारे में बताने के लिए श्वेत पत्र लाने की घोषणा की थी। बजट भाषण में उन्होंने कहा था कि वर्ष 2014 में मोदी सरकार नेबागडोर संभाली थी, उस समय हमने स्टेप-बाय-स्टेप देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने और शासन प्रणाली को सही रास्ते पर लाने की जिम्मेदारी संभाली थी। तब समय की मांग थी कि निवेश आकर्षित किया जाए, सुधार के लिए समर्थन जुटाया जा सके।सरकार राष्ट्र प्रथम के विश्वास के साथ इस लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही, लोकसभा चुनाव के पहले ही सरकार और विपक्ष के तेवर आक्रामक हो चले है। सरकार श्वेत पत्र के जरिए यूपीए सरकार के कार्यकाल का काला चिट्ठा खोलने की तैयारी में है। विपक्ष ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। सरकार के श्वेत पत्र के जवाब में पार्टी ने ब्लैक पेपर लाने की बात कही थी। बड़ी पार्टी ने पार्टी के नेताओं के साथ 10 साल अन्याय काल के नाम से ब्लैक पेपर का पोस्टर जारी किया। उन्होने कहा, पीएम जब संसद में अपनी बात को रखते हैं तो अपनी सफलता को बताते हैं और अपनी असफलताओं को छिपा लेते हैं। सरकार के खिलाफ हम ब्लैक पेपर निकालकर लोगों को जानकारी देंगे। पार्टी के ब्लैक पेपर पर तंज कसते हुए कहा, मैं ब्लैक पेपर का स्वागत करता हूं क्योंकि जब कोई अच्छी बात होती हो काला टीका लगता है। नजर न लगे इसलिए यह जरूरी होता है। ऐसे में सवाल है कि आखिर श्वेत पेपर क्या है, इसे कौन-कौन ला सकता है, सरकार इस समय श्वेत पत्र क्यों ला रही है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 8 फरवरी 2024 को माननीय केंद्रीय मंत्री द्वारा श्वेत पत्र संसद के पटल पर रखने की करें तो, केंद्र सरकार ने यूपीए के दस साल के शासनकाल में देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति पर आज संसद में एक श्वेत पत्र जारी कर दिया।59 पेज के इस श्वेत पत्र में केंद्र ,राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और महत्त्वपूर्ण रेटिंग एजेंसियों के आंकड़ों के सहारे यह साबित करने की कोशिश की गई है कि यूपीए के शासनकाल में देश की अर्थव्यवस्था बहुत खराब स्थिति में थी, 15 बड़े घोटालों से देश की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में पहुंच गई थी, जबकि सरकार के पिछले दस साल के शासनकाल में इसमें बहुत सुधार हुआ है। पार्टी इन आंकड़ों की तुलना करते हुए लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणा पत्र में महत्त्वपूर्ण दावे कर सकती है हालांकि, यूपीए के शासनकाल पर श्वेत पत्र आने की चर्चा के बीच कांग्रेस ने मोदी सरकार के दस साल के शासनकाल में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर ब्लैक पेपर लाकर अपनी चिंताओं को साझा किया है। पार्टी का दावा है कि केंद्र सरकार गलत दावे कर अर्थव्यवस्था की असली स्थिति छिपा रही है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

कर्म और सनातन सन्मार्ग जीवन की नियति

संजीव

मनुष्य को धर्म के साथ ही कर्म की वेदी पर अपने श्रम की की आहुति देनी चाहिए, जिससे मानवीय जीवन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म,धर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा 'इसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी' कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे ' निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है' जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं' संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है।

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए।

उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है।

बाकी सभी गद्दार हैं.

डॉ. सुरेश कुमार

कुछ मतदाता प्रायः मतदाता न होकर मत की धज्जियाँ उड़ाने वाले होते हैं। निश्चित तौर पर इनको मतजोंक कहते हैं। कुछ इससे भी आगे बढ़ जाते हैं। इन पर गरीबी, बेरोजगारी, लाचारी, भ्रष्टाचार, लूटपाट, बलात्कार, महंगाई, दगाबाजी, बेईमानी, कीड़े-मकौड़ों जैसी जिंदगी झ किसी का भी असर नहीं पड़ता है. ये खास पार्टी के लिए जीते हैं और दूसरों को विवश करते हैं कि वे भी ऐसा ही करें। ऐसे लोगों से पहुँचे हुए बुद्धिजीवी, विद्वान, साहित्यकार भी डरते हैं। इन्हें अपना मजाक उड़ाने में मजा आता है। मजाक ये खुद का उड़ाते हैं और हालत दूसरों की खराब करते हैं। ऐसे महानुभावों को अंधभक्त कहते हैं। अंधभक्तों से देश भरा हुआ है और यह जग प्रसिद्ध है कि ऐसे लोगों की कभी आँखें नहीं खुलतीं। ये चौराहे पर हाथी को हजार बार छुएँगे, टटोलेंगे और हर बार अंधभक्त टाइप का ही जवाब देंगे। अंधभक्त होकर हमेशा अपनी इज्जत उतरवाने में जो मजा आता है, वह उन्हें खाने-पीने में भी नहीं आता है। बुद्धिजीवी अपनी इस बुद्धि पर गर्व करते हुए भटकते रहे कि उन्होंने अंधभक्तों की कई बार आँखें खोल दीं, लेकिन वे भूल गए कि गोबर में पैर रखने से गोबर का कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। आखिरकार जीत अंधभक्तो की ही होती है। होगी भी क्यों न। उनकी अपनी सो कॉल्ड वाट्सप युनिवर्सिटी जो है, एक बार जो इसमें प्रवेश ले लेता है सीधे डॉक्टरेट होकर निकलता है। बुद्धिजीवी, साहित्यकार, विद्वान सभी चुल्लू भर पानी में डूब मरने के लिए मचल उठते हैं। आखिरकार ये सभी अंधभक्त रूपी दीवार से सिर मार बैठते हैं और खुद का कबाड़ा कर लेते हैं। आत्मसम्मान रखने वाले हमेशा अंधभक्तों से पराजित होते रहते हैं, जो जितना बड़ा अंधभक्त बना, उसने उतनी ही बड़ी विजय हासिल की है। बेचारा गरीब मेहनतकश है लेकिन अंधभक्त नहीं बन पाता है। सरकार से विद्रोह करना तो दूर अपना वोट देकर अपनी किस्मत को ही कोसता है। सरकार के लिए एक अपशब्द भी नहीं कह पाता है। अंधभक्त हो जाता तो भूखे थोड़ी न मरता बल्कि भूख-सुध मिटाकर अमर बन जाता। बेचारा गरीब इस चमत्कार से स्वयं को अनछुआ कैसे रख पाता है, समझ नहीं आता है। और दूसरी ओर फलानी लड़की लातों-घूंसो के प्रहार सहते हुए बीच बाजार नंगी घुमाई जाती है।

सरकार बनभूलपुरा के बवालियों पर हुई सख्त

बवाल

8 -मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, एक-एक उपद्रवी की होगी पहचान, होगी कार्रवाई

देहरादून/नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया

उत्तराखंड सरकार ने कहा है कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा में बवाल करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सुबह राजधानी में अपने सरकारी आवास पर स्थिति पर उच्च अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। नैनीताल जिला प्रशासन ने भी सुबह साफ किया है कि बनभूलपुरा हिंसा में दो लोगों की मौत हुई है। तीन लोग घायल हुए हैं। इस बीच हेलीकॉप्टर से पूरे वनभूलपुरा क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। मुख्य साजिशकर्ता की तलाश जारी है। तीन अभियोग दर्ज हो चुके हैं। पूरे शहर में इंटरनेट सेवा बंद है। धारा 144 लागू है।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने आवास पर हुई बैठक में निर्देश दिए हैं कि अवैध निर्माण हटाए जाने के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमला करने और अशान्ति फैलाने वाले अराजकतत्वों के विरुद्ध फौरन सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने शान्ति व कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एडीजी (कानून और व्यवस्था) एपी अंशुमान को प्रभावित क्षेत्र में कैंप करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आगजनी और पथराव करने वाले एक-एक दंगाई की पहचान कर कार्रवाई की जाए। बैठक में विशेष प्रमुख सचिव/एडीजी अमित सिन्हा, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, अपर सचिव जेसी कांडपाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आज सुबह डीएम वंदना सिंह ने हल्द्वानी नगर निगम कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर बनभूलपुरा हिंसा में दो लोगों की मृत्यु की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि,पहले दो लोगों को मरणासन्न अवस्था में कृष्णा अस्पताल ले जाया गया था। वहां उन्हें नहीं लिया तो एसटीएच ले जाया गया। इस कारण मृतकों की संख्या पर भ्रम की स्थिति बनी। उन्होंने कहा कि बिना उकसावे की कार्रवाई के अधिकारियों को थाने में जिंदा जलाने की कोशिश की गई। अब हल्द्वानी में स्थिति नियंत्रण में हैं। डीएम वंदना ने कहा, शहर में 1100 पुलिस कर्मी तैनात हैं। कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा है। यह हमला एक तरह से कानून एवं राज्य को चुनौती देते हुए किया गया। चार उपद्रवी पुलिस हिरासत में हैं। ढाई घंटे के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कई दुकानें भी हटाई गईं। तब कोई विरोध नहीं हुआ। लोगों को उच्च न्यायालय जाने का भी समय दिया गया। वहां से कोई राहत नहीं मिलने के बाद कार्रवाई हुई। प्रशासन की कार्रवाई में किसी का घर नहीं टूटा। न ही कोई बेघर नहीं हुआ।

जिला अधिकारी ने साफ किया कि वहां कोई धार्मिक स्थल नहीं था। नजूल भूमि पर अतिक्रमण था। भीड़ को उसे बचाने की परवाह नहीं थी। भीड़ तो प्रशासनिक मशीनरी पर हमला करने पर आमादा थी। उन्होंने कहा कि यह सुनियोजित हमला था। 30 जनवरी को घरों की छतों पर पत्थर नहीं थे। आधे घंटे के भीतर नगर निगम की टीम पर बिना उकसावे के पथराव किया गया।

लावारिस हालत में घूमते मिले मासूम को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

आभार

8 माता-पिता ने बेटे के सकुशल बरामद होने पर खुशी जाहिर करते हुए पुलिस का आभार जताया।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

लावारिस हालत में घूमते मिले मासूम को सिडकुल पुलिस ने उसके परिजनों से मिलाया। बालक के मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

अधिकारियों के मुताबिक गैस प्लांट चौकी क्षेत्र बेरियर नंबर- 6 के पास एक बच्चा उम्र लगभग 06 वर्ष लावारिस हालत में घूमता हुआ मिला। बच्चा काफी डरा हुआ था। उसको चेतककर्मी अजय सिंह और गंभीर तोमर सुरक्षा की दृष्टि से चौकी ले आए। पूछताछ करने पर बच्चा खुद का नाम व माता-पिता का नाम ही बता पा रहा था। पुलिस टीम ने बच्चे के परिजनों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज चेक कर, विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुपों एवं अन्य माध्यमों से बालक के परिजनों की तलाश की। इसके चलते 24 घंटे के प्रयासों के बाद परिजनों को पुलिस चौकी बुलाकर बालक को सुपुर्द किया। उसके परिजन उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के मूल निवासी हैं और वर्तमान में ब्रहमपुरी थाना सिडकुल क्षेत्र में किराये के मकान में रहते हैं। परिजनों ने बताया कि आयुष दिमागी रूप से थोड़ा कमजोर है।

माता-पिता ने बेटे के सकुशल बरामद होने पर खुशी जाहिर करते हुए पुलिस का आभार जताया।

संक्षिप्त खबरें

उत्तराखंड परिवहन महासंघ ने मई माह से पूर्व ही लोकसभा चुनाव करवाने की मांग की

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

उत्तराखंड परिवहन महासंघ के अध्यक्ष सुधीर राय ने केन्द्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त से आगामी लोकसभा चुनाव उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए मई माह से पूर्व करवाने की मांग की है।

उत्तराखंड परिवहन महासंघ के अध्यक्ष सुधीर राय ने मुख्य चुनाव आयुक्त को एक ज्ञापन भेजकर कहा कि वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव होने जा रहे है। ऐसे में उत्तराखंड राज्य की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य राज्यों से भिन्न हैं। यहां मात्र छह माह (अप्रैल, मई से अक्टूबर, नवंबर) तक ही व्यापारिक दृष्टिकोण से सर्वश्रेष्ठ है। इस दौरान यहां चारधाम यात्रा भी चलती है।

राय ने केन्द्रीय चुनाव आयोग से उत्तराखंडवासियों की ओर से राज्य में आम चुनाव माह मई से पहले ही संपन्न करा लेना चाहिए ताकि चार धाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं एवं परिवहन एवं पर्यटन व्यवसायियों को असुविधा से बचाया जा सकेगा।

आतिया साबरी ने यूसीसी को बताया सराहनीय कदम, सीएम का जताया आभार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

तीन तलाक के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली लक्सर के सुल्तानपुर निवासी महिला आतिया साबरी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उत्तराखण्ड में लाया गया समान नागरिक संहिता कानून को एक सराहनीय कदम बताया है। उन्होंने इस कानून को लाने के लिए पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद किया है।

आतिया साबरी ने कहा कि पति-पत्नी के जिंदा रहते हुए दूसरी शादी अनिवार्य नहीं होगी तथा दोनों को समान अधिकार होंगे। इसके अन्तर्गत उत्तराखंड में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून होगा। चाहे वह किसी भी धर्म व जाति का क्यों न हो। उन्होंने कहा कि अभी तक मुस्लिम धर्म में शादी के मामलों के शरिया के अनुसार सजा व नियम तय होते हैं। अभी तक हिंदू, मुस्लिम, सिख व ईसाईयों में शादियों व सिविल मामलों में अलग कानून हैं। समान नागरिकता संहिता कानून लागू होने पर सभी को समान अधिकार होंगे।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार का राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू किये जाने का फैसला बेहद सराहनीय है। समान नागरिक संहिता कानून पूरे देश में लागू होना चाहिए। बड़ी बात यह है कि इस कानून की शुरूआत उत्तराखंड राज्य से हो रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बधाई के पात्र हैं। कानून के लागू होने पर सभी धर्मों में एक समान विवाह व तलाक व्यवस्था होगी तथा पति-पत्नी के जिंदा रहते दूसरी शादी अनिवार्य नहीं होगी। पति पत्नी को समान अधिकार होंगे तथा तलाक केवल न्याय प्रक्रिया से ही होगा और प्रत्येक धर्म में शादी की उम्र 18 वर्ष होगी। उन्होंने कहा कि अब मुस्लिम महिलाओं को अपने हक से वंचित नहीं होना पड़ेगा।

पूर्व सभासद व प्रधानाचार्य बिष्ट पंचतत्व में विलीन

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया

छावनी परिषद नैनीताल के पूर्व सभासद एवं आईटीआई नैनीताल के पूर्व प्रधानाचार्य हीरा सिंह बिष्ट का शुक्रवार को नगर के पाइंस स्थित श्मशान घाट पर कर दिया गया। वे 88 वर्ष के थे।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय एवं ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी राजेंद्र रावत के श्वसुर व आईटीआई नैनीताल के पूर्व प्रधानाचार्य हीरा सिंह बिष्ट कुछ दिन से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी चिकित्सालय में उपचार चल रहा था।

गुरुवार देर शाम उनका निधन हो गया। वह अपने पीछे दो विवाहित पुत्र व पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। शुक्रवार को नगर के पाइंस स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी अंतिम यात्रा में उनके परिजनों व परिचितों के साथ बड़ी संख्या में शिक्षा, खेल एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल रहे।

गुरुकुल के छह छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में निरन्तर चयन प्रक्रिया के चलते प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा 06 छात्रों का चयन किया गया।

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के इन्चार्ज सीएओसी एवं ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. राजुल भारद्वाज ने बताया कि देश की प्रतिष्ठित कम्पनियां हीरो ग्रुप ऑफ कंपनी मिनाक्षी पॉलिमर्स (हरिद्वार) एवं टू होम्स रियल्टी (गाजियाबाद) कम्पनी ने समविश्वविद्यालय के एमएससी (रसायन) एवं एमबीए के छात्रों को चयनित करने के लिए कैम्पस ड्राइव किया गया। प्लेसमेंट सम्बन्धी प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात कम्पनी द्वारा 06 छात्रों का चयन किया गया।

गांव चलो अभियान के तहत महाराज ने किया 24 घंटे का ग्राम प्रवास

प्रवास

8 आज नरेन्द्र मोदी देश ही नहीं अपितु विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बन चुके हैं

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे गांव चलो अभियान के प्रथम दिवस पर उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं हरिद्वार जिले के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने विधानसभा हरिद्वार ग्रामीण के उत्तर मंडल के जमालपुर कला स्थित बूथ संख्या 39 पर 24 घंटे का प्रवास प्रारंभ किया।

इस दौरान उन्होंने बूथ अध्यक्ष ललित कुमार के आवास पर पहुंचकर बूथ समिति एवं पन्ना प्रमुखों के साथ बैठक कर कार्यों पर चर्चा करते हुए सरल एवं नमो ऐप डाउनलोड कराकर बूथ समिति के पदाधिकारियों को बूथ क्षेत्र में निवासरत प्रत्येक व्यक्ति तक जाकर प्रदेश एवं केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को बताकर लाभ दिलाने का कार्य करने का आह्वान किया। सतपाल महाराज ने बूथ स्थित सन्त रविदास मंदिर एवं शिव मंदिर जाकर स्वच्छता अभियान चलाया।

इस अवसर पर बूथ पर रहने वाले लाभार्थियों से जन संवाद के दौरान लाभार्थियों से उनके अनुभव को सुना, जिसमें प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान योजना, जन धन, उज्जवला आदि योजनाओं के लाभार्थी उपस्थित रहे।

इसी दौरान विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से भी संवाद किया।

इसी दौरान भाजपा सरकार के कार्यों से प्रभावित होकर बूथ के कई युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सतपाल महाराज ने सभी सदस्यता लेने वाले लोगों का माला पहनकर स्वागत किया।

उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए सतपाल महाराज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश एवं केंद्र की सरकार ने लगातार अपनी योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभ देने का कार्य कर जनता में विश्वास बनाने का कार्य किया है। आज नरेन्द्र मोदी देश ही नहीं अपितु विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बन चुके हैं। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है। हम सबकी भी जिम्मेदारी है की आगामी लोकसभा चुनाव बड़े अंतर से भारतीय जनता पार्टी को जीत दिलाने का कार्य करें।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जमालपुर कला में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि भारत बुलंदियों को छू रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया में भारत का डंका बजाया है।

कई देशों के लोगों ने जी 20 में आकर भारत के विकास को देखा और सराहा है। उत्तराखंड ही नहीं अपितु समूचे देश का भ्रमण करने के पश्चात उनकी रिपोर्ट भारत के लिए प्रशंसनीय रही। रिपोर्ट में दशार्या गया कि भारत बहुत तेजी से विकास कर रहा है। बूथ पर स्थित सैनिक परिवार के विजेंद्र रावत, महेंद्र सिंह भंडारी से भी मुलाकात कर सम्मानित किया। तत्पश्चात जमालपुर स्थित हरिद्वार क्रिकेट अकादमी पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

क्षैतिज आरक्षण बिल पारित होने पर बांटी मिठाई

बैठक

8 उत्तराखंड राज्य आंदोलन कारी मंच के बैनर तले राज्य अतिथि गृह नैनीताल क्लब में आयोजित बैठक हुई।

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया

राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को क्षैतिज आरक्षण देने का विधेयक विधानसभा में पारित होने पर नगर के राज्य आंदोलनकारियों ने शुक्रवार को मिष्ठान वितरण कर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के बैनर तले नगरपालिका परिषद नैनीताल के पूर्व अध्यक्ष मुकेश जोशी ह्यमंटूह्व की अध्यक्षता तथा पान सिंह सिजवाली के संचालन में राज्य अतिथि गृह नैनीताल क्लब में आयोजित बैठक हुई। इस बैठक में वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य विधानसभा में क्षैतिज आरक्षण बिल पास होना उत्तराखण्ड के समस्त आंदोलनकारियों की बड़ी जीत है। आगे भी वे राज्य हित और राज्य आंदोलनकारियों के सम्मान के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा।

बैठक में जिलाध्यक्ष गणेश बिष्ट, कंचन चंदोला, शाकिर अली, मनमोहन कनवाल इंदर नेगी, महेश जोशी, लक्ष्मी नारायण लोहनी, वीरेन्द्र सिंह, लीला बोरा, असीम बख्श, हरेंद्र बिष्ट, मुकुल कांडपाल, नवीन जोशी, भावना नेगी, माया नेगी, धर्म सिंह, गिरीश जोशी, चद्रशेखर जोशी, प्रकाश आर्या, संजय बिष्ट व हेम वारियाल आदि राज्य आंदोलनकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत के लिए जागरूक युवाओं का योगदान अहम: रमेश

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

भारतीय रेडक्रॉस समिति हरियाणा, शाखा चंडीगढ़ द्वारा हरिद्वार के नंगली बेला आश्रम में 7 से 12 फरवरी तक लड़कियों के लिए आयोजित किये जा रहे यूथ रेड क्रॉस प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत योगा सेशन से हुई।

प्रथम सत्र में नरेश जागलान द्वारा जीवन में चैंपियन कैसे बनें, उदाहरण के द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने जीवन में लक्ष्य को फोकस कर मेहनत करें तो उसे पर हर अवस्था में प्राप्त कर सकते हैं। सचिव रेड क्रॉस कैथल रामजी लाल ने कैथल रेडक्रॉस में चलाई जा रही गतिविधियों की जानकारी दी।

भाजपा अध्यक्ष ने हल्द्वानी की घटना को बताया दुखद, सभी पक्षों से की शांति की अपील

अपील

8 अवैध कब्जों के समर्थन की राजनीति करने वालों को राज्य हित में नजरिया बदलने की जरूरत

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने हल्द्वानी में हुई हिंसा को दुखद बताते हुए सभी से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अवैध कब्जों के समर्थन की राजनीति करने वालों को राज्य हित में नजरिया बदलने की जरूरत है।

भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने यहां शुक्रवार को कहा कि अवैध कब्जे कर माहौल खराब करने की मंशा रखने वालों को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध कब्जों के समर्थन की राजनीति करने वालों को भी राज्य हित में अपना नजरिया बदलना चाहिए। भट्ट ने वनभूलपूरा की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसे असामाजिक तत्वों का दुस्साहस बताया है। उन्होंने सभी लोगों से अमन चैन बनाने एवं कानून व्यवस्था में सहयोग करने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि कोर्ट के निदेर्शानुसार ही राज्य में अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अवैध अतिक्रमण कर राज्य का माहौल खराब करने वालों को किसी भी तरह से बर्दाश्त करने वाली नही है। बनभुलपुरा में प्रशासन, पुलिस एवं मीडिया टीम पर जिस तरह जानलेवा हमला किया वह बेहद निंदनीय हैं। लिहाजा अराजक तत्वों और उन्हें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष समर्थन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही पर विरोध की राजनीति करने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों ने अपनी वोट बैंक पॉलिटिक्स के चलते इस तरह की गतिविधियों को बढ़ावा दिया। अब समय है कि सभी राजनैतिक दलों को राज्यहितों के संवर्धन और संरक्षण के लिए एकजुट होकर सरकार का सहयोग करना चाहिए।

क्रिकेट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंची गुरुकुल की टीम

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

उत्तर क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय क्रिकेट चैम्पियनशिप में भाग ले रही गुरुकुल कांगड़ी की टीम सेमी फाइनल में पहुंची। 29 जनवरी को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा सुन्दरनगर जिला मण्डी में आयोजित क्रिकेट चैम्पियनशिप में गुरुकुल कांगड़ी की टीम ने अपने पूल में अन्य विश्वविद्यालयों की टीमों को परास्त करके सेमी फाइनल में जगह बनाई।

टीम के कोच अश्वनी कुमार ने बताया कि टीम के खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन इस चैम्पियनशिप में देखने को मिला है।

सचिव क्रीडा परिषद डॉ. अजय मलिक ने बताया कि मौसम प्रतिकूलता होने के कारण टीम को लम्बे समय तक चैम्पियनशिप के लिए सुन्दरनगर, मण्डी रुकना पड़ा लेकिन खिलाड़ियों ने स्वयं को सिद्ध किया। टीम की इस उपलब्धि पर डॉ. नितिन काम्बोज, डॉ. अजेन्द्र कुमार, डॉ. धर्मेन्द्र बालियान, डॉ. शिवकुमार चौहान, कोच दुष्यन्त सिंह राणा को बधाई दी है।

मूल निवास और सशक्त भू-कानून को लेकर तेज होगा आंदोलन

बैठक

8 उत्तराखंड राज्य आंदोलन कारी मंच के बैनर तले राज्य अतिथि गृह नैनीताल क्लब में आयोजित बैठक हुई।

नई टिहरी

मूल निवास व सशक्त भूकानून को लेकर 11 फरवरी को नई टिहरी में आयोजित स्वाभिमान रैली में बड़ी संख्या में जुटाने की अपील करते हुए मूल निवास समन्वय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि इस आंदोलन को उत्तराखंड आंदोलन की तर्ज पर चलाया जाएगा।

समिति के पदाधिकारियों ने प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता कर आगे कहा कि यह आम लोगों के से जुड़ा स्वस्फूर्त कार्यक्रम है। इसे लेकर अब पीछे नहीं हटाया जायेगा। उत्तराखंड आंदोलन की तर्ज पर इस आंदोलन को चलाने की तैयारी है। शुक्रवार को आयोजित इस पत्रकार वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि आज प्रदेश की स्थिति व आबोहवा लगातार खराब हो रही है। स्थायी निवास की व्यवस्था ने मूल निवासियों की पहचान को संकट में डाल दिया है। स्थायी निवास व अस्थाई राजधानी की व्यवस्था ने पूरे प्रदेश की स्थिति को बदहाल कर दिया है। आम जनता को इसके के चलते बुरी तरह से पिसना पड़ रहा है। स्थानीय निवास की आड़ में लगातार प्रदेश में घुसपैठ जारी है तो सशक्त भूकानून न होने से भूमाफिया प्रदेश में राज कर रहे हैं। इससे शांत प्रदेश का माहौल खराब होने से लगातार अपराधों की संख्या में वृद्धि हो रही है। प्रदेश के पहाड़ी पर्यटन स्थल भी अब भूमाफिया की जद में हैं। प्रदेश सरकार को चेताते हुए उन्होंने कहा कि आम लोगों के मन में लगातार आग सुलग रही है। जल्दी ही स्थायी निवास व्यवस्था खत्म कर यदि मूल निवास व्यवस्था कर सशक्त भूकानून नहीं लाया जाता तो इस आंदोलन को उत्तराखंड आंदोलन के समान खड़ा कर जायज मांगों के लिए सड़कों पर उतरा जायेगा। इस मौके पर मूल निवास समन्वय संघर्ष समिति के टिहरी के मुख्य समन्वयक राकेश भूषण गोदियाल, प्रदेश सह संयोजक लुसन टोडरिया, देवेंद्र नौडियाल, गंगा भगत सिंह, अमित पंत, विपिन पंवार, मुशर्रफ अली, पर्वत कुमारी, विक्रम विष्ट आदि मौजूद रहे।

बेरोजगार संघ ने मनाया काला दिवस, प्रदेश सरकार का पुतला फूंका

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया

उत्तराखंड बेरोजगार संघ ने 9 फरवरी को काला दिवस मनाया और हनुमान चौक पर प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार का पूतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने धामी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन पर छलावा करने का भी आरोप लगाया। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिछली 9 फरवरी, 2023 को धामी सरकार ने पेपरलीक मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे बेरोजगार युवाओं के सत्याग्रह आंदोलन को कुचलने का काम किया। प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस ने निर्दोष प्रदेश के बेरोजगार युवाओं पर लाठीचार्ज के साथ अन्य अत्याचार किया था। गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कर बेरोजगार संघ के प्रदेश अध्यक्ष बाबी पंवार को सलाखों के पीछे डालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इसी के विरोध में युवा बेरोजगार इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाया और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी सरकार का पुतला फूंका।

सेहत पर क्या फर्क पड़ता है, जब आप खाते हैं 1 समोसा

क्या आपको पता है कि 1 समोसा खाने से आपको कितनी कैलोरीज मिलती हैं? डॉक्टर अनुजा गौर से जानें समोसा खाने के बाद आपकी सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है, समोसे से मिली कैलोरीज को आप कैसे बर्न कर सकते हैं और समोसा को हेल्दी कैसे बना सकते हैं।

समोसा भारत के लगभग सभी हिस्सों में स्नैक के रूप में लोकप्रिय है। अगर किसी एक स्नैक को भारत का राष्ट्रीय स्नैक बनाया जाए, तो शायद इसे समोसा ही होना चाहिए। तीखे मसालेदार आलुओं से भरे हुए समोसों का स्वाद खट्टी-मीठी चटनियों और चाय के साथ और बढ़ जाता है। इतिहास के झरोखे में जाएं, तो आपको हैरानी होगी कि समोसा पहली बार 10वीं शताब्दी में बनाया गया था। जबकि भारत में ये लगभग 14वीं शताब्दी में आया। मगर इसमें कोई हैरानी नहीं कि आज समोसा भारतीय स्नैक्स में सबसे ज्यादा पॉपुलर है।

उत्तर और मध्य भारत में तो समोसे इतने पॉपुलर हैं कि आपको हर गली हर मोड़ में कोई न कोई समोसे की दुकान या खोमचा मिल जाएगा। हममें से ज्यादातर लोगों की समोसों के साथ बचपन की ढेर सारी यादें जुड़ी हो सकती हैं। अब इससे पहले कि आपके मुंह में पानी आ जाए और आप इमोशनल होकर समोसा खरीदने पहुंच जाएं, हम आपको बताते हैं इससे जुड़ी कुछ खास बातें। जी हां, समोसा खाने से पहले आपको इसकी कैलोरीज के बारे में भी जान लेना चाहिए, ताकि आपको इस बात की सही-सही जानकारी हो कि आप क्या खा रहे हैं और उसका आपकी सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है।

समोसा की न्यूट्रीशनल वैल्यू

1 समोसा- 262 किलोकैलोरी
फैट- 3 ग्राम
प्रोटीन- 10.5 ग्राम
कार्बोहाइड्रेट- 45 ग्राम
डाइट्री फाइबर- 1.5 ग्राम

चूंकि समोसे में स्टार्च की मात्रा ज्यादा और फाइबर की मात्रा कम होती है, इसलिए एक रेगुलर साइज समोसा खाने से आपको लगभग 262 कैलोरीज मिलती हैं। इसके अलावा समोसे वनस्पति घी या तेलों में तले जाते हैं इसलिए इसमें बहुत अधिक ट्रांस फैट होता है, जो आपके शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। अगर आप यह समोसा किसी गली-चौराहे की छोटी दुकान से खरीदते हैं, तो इस बात की भी पूरी संभावना होती है, वो समोसा पहले से इस्तेमाल तेल में तला गया हो। एक बार इस्तेमाल हो चुके तेल को दोबारा गर्म करके इसमें किसी खाद्य पदार्थ को डीप फ्राई करके खाना आपकी सेहत के लिए बहुत ज्यादा बुरा है।

कई बार इस्तेमाल हुए तेल में बनी चीजें खाने से आपका लिपिड प्रोफाइल बढ़ता है और आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) की मात्रा बढ़ती है। हालांकि डॉ. अनुजा गौर कहती हैं कि अगर आप कभी-कभार समोसा खा लेते हैं, तो इससे आपकी सेहत पर कोई बहुत प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन अक्सर खाना या रोजाना खाना आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

समोसे में क्या होता है?

आमतौर पर समोसा बनाने के लिए निम्न चीजें इस्तेमाल की जाती हैं-
मैदा (रिफाइंड फ्लोर)
आलू
तेल
नमक
मसाले

समोसा एक तरह से मैदे और आलू से बनी पैटी है, जिसमें कई बार कुछ हल्की-फुल्की सब्जियां (मटर, प्याज, गाजर, पत्तागोभी) मिला दी जाती हैं। इसे तिकोने आकार में बनाकर तेल में डीप फ्राई किया जाता है।

एक समोसा खाने से मिली कैलोरीज कैसे बर्न करें?

1 समोसा खाने में आपको ज्यादा से ज्यादा 5 मिनट लगेंगे। इन 5 मिनटों में आपकी जीभ को मिलने वाले मसालों और फ्राइड आलू-मैदे के स्वाद से भले ही खुशी मिले, लेकिन इसे खाने के बाद आपके शरीर में जो 262 कैलोरीज पहुंचती हैं, उन्हें बर्न करना आपके लिए आसान काम नहीं होने वाला है। डॉ. अनुजा के अनुसार,

एक समोसे से मिलने वाली कैलोरीज को बर्न करने के लिए आप-

1 घंटे पैदल चलें या
1 घंटे पावर योग करें या
1 गेम टेनिस खेलें या
1 सेशन एरोबिक एक्सरसाइज करें या
1/2 घंटे स्विमिंग करें

अगर आप इतनी एक्सरसाइज करते हैं, तब जाकर एक समोसे द्वारा खाई हुई कैलोरीज आपके शरीर में इस तरह टूटती हैं कि फैट जमा नहीं होता है।

लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि अगर आपको समोसे से बहुत प्यार है और आप 1 समोसे के बदले एक्सरसाइज करने को भी तैयार हैं, तो भी डॉक्टर इसे खाने की सलाह नहीं देते हैं। इसका कारण है कि समोसा आपको सिर्फ कैलोरीज ही नहीं, बल्कि काफी मात्रा में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाले तत्व भी देता है। अगर आप भी समोसे के शौकीन हैं और अक्सर इसे खाते हैं, तो दूसरे फास्ट फूड्स की तरह ये आपको मोटा बना सकता है या सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा समोसा खाने के कारण आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है, मेटाबॉलिज्म धीमा हो सकता है, डायबिटीज या ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है।

समोसा पसंद है, तो इसे हेल्दी ट्विस्ट दें

- अगर आप खुद को समोसा-लवर मानते हैं, तो कम से कम अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए आप इतना कर सकते हैं कि इसे बाहर से खरीदने के बजाय घर पर बनाएं और कुछ हेल्दी तरीके से बनाएं। आइए आपको बताते हैं समोसा को हेल्दी बनाने का तरीका-
- रिफाइंड फ्लोर यानी मैदा सेहत के लिए नुकसानदायक होता है, इसलिए इसकी जगह आप होल व्हीट फ्लोर यानी आटे का प्रयोग कर सकते हैं।
- तेल में पकाने के बजाय आप इसे माइक्रोवेव में पका सकते हैं। माइक्रोवेव में पकाने पर इसमें कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाले तत्व कम हो जाएंगे और समोसा काफी हद तक ट्रांस फैट फ्री हो जाएगा।
- आप तेल में तलने के बजाय समोसे को एयर फ्राई कर सकते हैं। आजकल बाजार में ढेर सारे एयर फ्रायर मौजूद हैं, जिनमें खाने की चीजों को फ्राई करने के लिए तेल की जरूरत नहीं पड़ती है।
- आलू के बजाय स्टफिंग के लिए उबली सब्जियों का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम हो जाए।
- जाते-जाते आपको एक और बात बता देते हैं। जितनी मात्रा में कैलोरीज आपको 1 समोसा खाने से मिलती हैं, उतनी कैलोरीज आपको 5 सेब खाने से मिलेंगी। मगर सेब विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, इसलिए ये आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

रेसिपी

लहसुनी दाल

सामग्री

- अरहर दाल- 1 कप
- इमली का पेस्ट- 1/4 कप
- हरी मिर्च- 1-2
- लहसुन- 10 कलियां
- नमक- स्वादानुसार

तड़के के लिए

- तेल - 1 बड़ा चम्मच
- राई- 1 छोटा चम्मच
- कढ़ी पत्ता- 6-7
- हरा धनिया- गार्निश के लिए

विधि

लहसुनी दाल बनाने के लिए सबसे पहले, दाल को प्रेशर कुकर में पानी और हल्दी के साथ पका लें। पकने के बाद उसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक कढ़ाई में हरी मिर्च को बिना तेल के फ्राई कर अलग रख दें। अब एक मिक्सर में दाल, हरी मिर्च, लहसुन, इमली का पेस्ट और नमक डालें और पीस लेंगे। अब कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई और कढ़ी पत्ता डालें। 10 सेकेंड बाद इसमें पीसी हुई दाल डालें और गैस बंद कर दें। बंद करने के बाद, हरे धनिए से गार्निश करें।

बथुआ आलू की पूड़ी

सामग्री

- बथुआ - 250 ग्राम
- आटा- 4 बड़ी कटोरी
- आलू- 4 (उबले हुए)
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- सौंफ- 1 छोटा चम्मच
- गरम मसाला- 1 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- पानी- आवश्यकतानुसार
- तेल- तलने के लिए।

विधि

सबसे पहले बथुए को अच्छे से साफ कर लें। एक पैन में पानी और बथुआ डालकर उबाल लें। बथुए के सॉफ्ट होते ही गैस बंद कर दें। अब आटे में बथुआ, नमक और पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। और आधे घंटे के लिए रख दें। अब दूसरे बर्तन में उबले आलुओं को अच्छे से मैश कर लें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, सौंफ, नमक और गरम मसाला मिलाएं। अब छोटी-छोटी लोई बनाकर आलू की स्टिफिंग भरकर बेल लें। अब सारी कचौड़ियां बेलकर तैयार कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, सारी कचौड़ियां एक-एक कर तल लें। अब इन मसालेदार स्टफ्ड कचौड़ियों को अचार के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आर्थिक श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। तनावरहित का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। लाभदायी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इंतजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग जोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

▯ ▯ ▯

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

▯ ▯ ▯

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

काकुरो पहेली - 1622

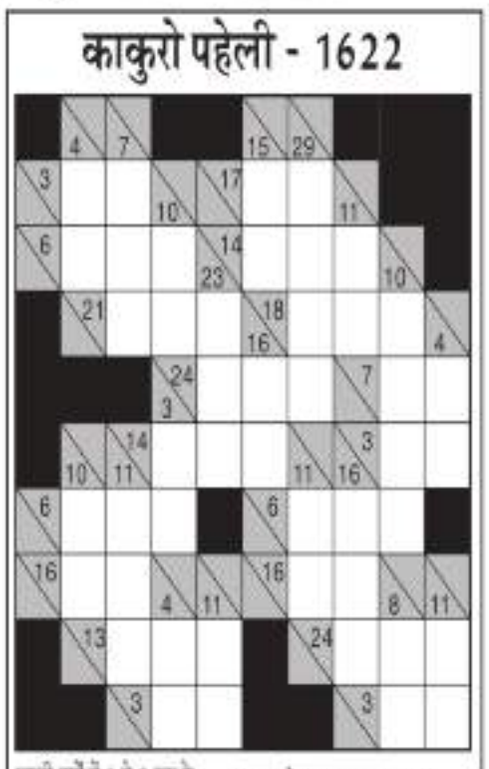

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ उनके रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

काकुरो - 1621 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 1622

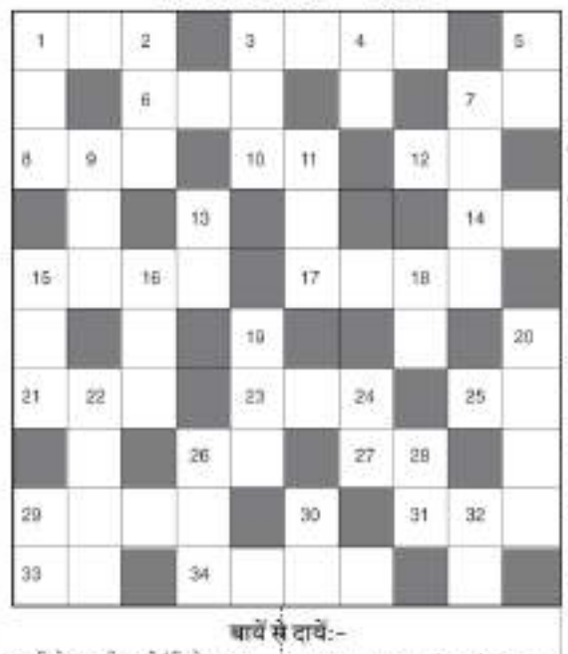

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल मिल प्यार प्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली निकास भाड़, काजोल की फिल्म-२
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली नक्षीअली, गीरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरुख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, ग्रेसी की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरो रे अवारो' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बंबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नवीन, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शहत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
९. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, जितेन्द्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉम्बे भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२५. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रात की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कयामत' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1621

सूडोकु -1622

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1621 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 1622

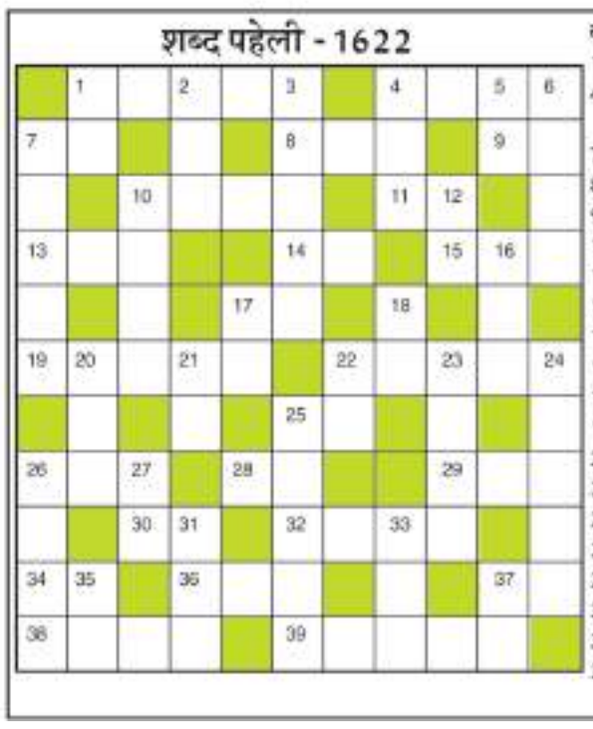

बाएं से दाएं

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. संघमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोगा, गाउन-3
37. सफर, यात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरैया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1621 का हल

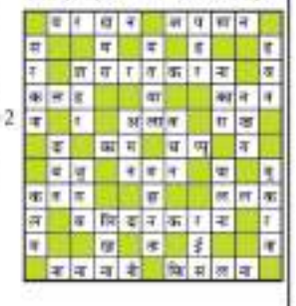

अगर राम मंदिर बना है तो... मोहम्मद शमी ने एक बार फिर बातों से भी जीता दिल

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का मानना है कि ना हो 1000 बार जय श्री राम और ना ही 1000 बार अल्लाहु अकबर बोलने में किसी तरह का नुकसान है। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के बाद से मोहम्मद शमी क्रिकेट के मैदान से दूर चल रहे हैं। एंकल इंजरी के साथ आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में खेले शमी ने सबसे ज्यादा विकेट भी चटकाए थे। एंकल इंजरी के चलते ही शमी इसके बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट मैच नहीं खेल पाए हैं। शमी ने कहा कि हर एक धर्म में पांच से 10 लोग ऐसे होते हैं, जो विरोधी धर्म वाले इंसान को पसंद नहीं करते हैं।

शमी ने नेटवर्क18 पर कहा,मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। देखिए किस तरह से सजदा को लेकर बहस हुई, अगर राम मंदिर बना, तो जय श्री राम बोलने में कैसी दिक्कत, 1000 बार बोलिए... अगर मैं अल्लाहु अकबर बोलना चाहूं तो मैं इसे भी 1000 बार बोल सकता हूं। इससे क्या फर्क पड़ता है? शमी ने आगे कहा, सबसे पहली बात मैं इसको लेकर किसी से डरता नहीं हूं।

मैं मुस्लिम हूं और मैं यह पहले भी कह चुका हूं। मुझे मुस्लिम होने पर गर्व है, मुझे भारतीय होने पर भी गर्व है। मेरे लिए मेरा देश पहले आता है, अगर इससे किसी को परेशानी हो रही है, तो मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।शमी ने आगे कहा, ½मैं खुशी से जीता हूं और अपने देश का प्रतिनिधित्व करता हूं, इससे ज्यादा मेरे लिए कुछ मैटर नहीं करता। जहां तक विवाद की बात है... कुछ लोग यही खेल खेलने के लिए सोशल मीडिया पर बैठे रहते हैं, मुझे ऐसे लोगों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

रविंद्र जडेजा ने दी पिता के इंटरव्यू पर प्रतिक्रिया, पत्नी रीवाबा पर लगाए थे गंभीर आरोप

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के हरफनमौला रविंद्र जडेजा के पिता का एक इंटरव्यू हाल ही में सामने आया है, जिसमें वह अपनी बहू और भाजपा विधायक रीवाबा पर गंभीर आरोप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। जडेजा के पिता अनिरुद्ध सिंह का कहना है कि उनका बेटा अपनी पत्नी की वजह से परिवार से अलग हो गया है। हालांकि कुछ ही घंटों बाद ही रविंद्र जडेजा का इस इंटरव्यू पर रिएक्शन सामने आया है। जडेजा ने इस इंटरव्यू में कही गई सभी बातों को निरर्थक और झूठा बताया है। वहीं इस इंटरव्यू को स्क्रिप्टेड बताते हुए उन्होंने फैंस से इसे नजरअंदाज करने की भी अपील की है।

रविंद्र जडेजा ने एक्स पर आइए स्क्रिप्टेड साक्षात्कार में कही गई बातों को नजरअंदाज करें के कैप्शन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें लिखा है, हल्मा दिव्या भास्करम के बेतुके इंटरव्यू में कही गई सभी बातें निरर्थक और झूठी हैं। एक तरफ कुछ कहना है, जिसे मैं नकारता हूं। मेरी पत्नी की छवि धूमिल करने का जो प्रयास किया जा

रहा है वह वास्तव में निंदनीय एवं अशोभनीय है। मुझे भी बहुत कुछ कहना है जिसे मैं सार्वजनिक रूप से न कहूं तो बेहतर है। आपका धन्यवाद।बता दें, रविंद्र जडेजा के पिता ने दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में कहा था, मैं आपको सच बताऊं, मेरा रवि या उसकी पत्नी रीवाबा से किसी तरह का संबंध नहीं है। हम उन्हें नहीं बुलाते और वे हमें नहीं बुलाते। रवि की शादी के दो-तीन महीने बाद ही विवाद होने लगा था। फिलहाल मैं जामनगर में अकेला रहता हूं, रवींद्र अलग रहता है। पता नहीं पत्नी ने उस पर क्या जादू कर दिया है। मेरा तो बेटा है, दिल जलकर राख हो जाता है। उसकी शादी न की होती तो अच्छा होता। उसे क्रिकेटर न बनाता तो अच्छा होता।

U19 वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से कभी नहीं हारा भारत

क्या इस बार लगेगी जीत की हैट्रिक?

19 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया का सामना दो बाहर हो चुका है और इन दोनों ही भिड़त में टीम इंडिया ने कंगारुओं को धूल चटाई थी। 2012 में भारत 6 विकेट से तो 2018 में 8 विकेट से जीता था।

नई दिल्ली.एजेंसी

पाकिस्तान की हार के साथ अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। गुरुवार रात ऑस्ट्रेलिया ने करीबी मैच में पाकिस्तान को 1 विकेट से धूल चटाकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह बनाई। फाइनल में कंगारुओं का सामना गत चैंपियन भारत से होना है। टीम इंडिया ने पहले सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर शान से फाइनल में प्रवेश किया था।

अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास में यह तीसरा मौका होगा जब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा। इससे पहले दो बार यह दोनों टीमें खिताबी मुकाबले में भिड़ चुकी है और उन दोनों ही बार टीम इंडिया ने कंगारुओं को धूल चटाई थी।

2012 में 6 विकेट से जीता था भारत

उनमुक्त चंद की अगुवाई वाली

भारतीय टीम ने सबसे पहले 2012 में ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हार का मुंह दिखाया था। उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कंगारुओं ने निर्धारित 50 ओवर में 225 रन बोर्ड पर लगाए थे। कप्तान उनमुक्त चंद के शतक के दम पर भारत ने 6 विकेट रहते मुकाबले के साथ ट्रॉफी अपने नाम की थी। भारतीय कप्तान इस मैच में नाबाद रहे थे, उन्होंने 7 चौकों और 6 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 111 रनों की नाबाद पारी खेली थी।

2018 में 8 विकेट से जीता था भारत

पृथ्वी शॉ की अगुवाई में भारत ने दूसरी बार कंगारुओं को धूल 2018 में चटाई थी। इस बार टीम इंडिया ने पिछली बार से बड़ी जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस बार भी पहले बल्लेबाजी करते हुए टारगेट सेट किया था। उन्होंने टीम इंडिया के सामने जीत के लिए 217 रनों का लक्ष्य रखा था। इस बार भी भारतीय सलामी बल्लेबाज के बल्ले से शतक निकला था, मगर वह कप्तान नहीं थे। मनोज कालरा की 101 रनों की नाबाद पारी के दम पर भारत ने 38.5 ओवर में 8 विकेट रहते इस स्कोर को हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगा भारत

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 में अजेय रथ पर सवार टीम इंडिया की नजरें फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने पर होगी। पिछली दोनों ही बार भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने शतक जड़ टीम इंडिया को जीत दिलाई थी। ऐसे में भारत के लिए नंबर-2 पर बैटिंग करने वाले अर्शिन कुलकर्णी से भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।अगर टीम इंडिया कंगारुओं को चित करने में कामयाब रहती है तो वह लगातार दूसरा और रिकॉर्ड 6ठां खिताब अपने नाम करेगी। भारत बैक टू बैक अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाला दूसरा देश बनेगा। इससे पहले पाकिस्तान 2004 और 2006 में लगातार दो बार ट्रॉफी जीत चुका है।

पृथ्वी शॉ ने रणजी ट्रॉफी में वापसी कर मचाई तबाही, छत्तीसगढ़ के खिलाफ पहले ही सेशन में ठोकी सेंचुरी

नई दिल्ली.एजेंसी

चोट के चलते कई घरेलू टूर्नामेंट मिस करने वाले युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने रणजी ट्रॉफी में धमाकेदार कमबैक किया है। छत्तीसगढ़ के खिलाफ जारी मुकाबले में उन्होंने पहले ही सेशन में शतक ठोक मेजबान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया है। शॉ का यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट की 8वीं पारी में 13वां शतक है। शॉ ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 102 गेंदों पर शतक

जड़ा। वह अभी तक 13 चौकों के साथ 2 गगनचुंबी छक्के लगा चुके हैं।पृथ्वी शॉ को इंग्लैंड में 2023 वन-डे कप प्रतियोगिता के दौरान घुटने के लिगामेंट में चोट लग गई थी। इसके बाद इस स्टार ओपनर को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब के लिए भेजा गया था। शॉ मौजूदा सीजन के लिए मुंबई की शुरुआती टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन उन्हें बंगाल के खिलाफ पिछले मुकाबले से पहले स्क्वॉड में जोड़ा गया। पहले मुकाबले में तो शॉ बड़ी पारी नहीं खेल पाए, वह महज 35 के स्कोर पर आउट हो गए, मगर दूसरे मुकाबले में उन्होंने शतक ठोक अपने कमबैक का ऐलान कर दिया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने किया स्क्वॉड का ऐलान, जानें कौन हुआ अंदर और कौन बाहर?

नई दिल्ली.एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो मैच की टेस्ट सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टीम में तेज गेंदबाज माइकल नेसर की साल सवा साल बाद वापसी हुई है। उन्होंने बैगी ग्रीन कैप के साथ अपना आखिरी टेस्ट दिसंबर 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। नेसर की वापसी बताती है कि चयनकर्ता न्यूजीलैंड में सीम फ्रेंडली विकेट की उम्मीद कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड में इसके अलावा ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिले हैं। स्क्वॉड में अधिकतर वही खिलाड़ी है जिनका चयन हाल ही में पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए हुआ था। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 29 फरवरी से होगा।

नेसर ने अभी तक ऑस्ट्रेलिया के लिए केवल दो टेस्ट खेले हैं और यह दोनों ही मुकाबले उन्होंने एडिलेड ओवल में खेले, जब कप्तान कमिंस कोविड-19 प्रोटोकॉल (2021) और चोट (2022) के कारण बाहर थे, हालांकि वह 2019 से 2022 तक ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट टीम के नियमित सदस्य थे।लांस मॉरिस, जो गर्मियों की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट सेट-अप का हिस्सा थे, उनको पिछले मंगलवार को कैनबरा में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के एक मैच के दौरान साइड में चोट लग गई थी, जबकि झाय रिचर्डसन भी साइड स्ट्रेन के चलते 6 हफ्तों तक बाहर रहेंगे।

माइकल नेसर के अलावा ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक को स्कॉट बोलैंड भी मजबूती देंगे जिन्हें हाल ही में मार्श शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान घुटने में दर्द के बाद गेंदबाजी जारी रखने की मंजूरी दे दी गई थी।

टी20 वर्ल्ड कप चयन के लिए आईपीएल का प्रदर्शन कितना जरूरी, कोच ने किया एक्सप्लेन

नई दिल्ली.एजेंसी

अनुभवी कोच टॉम मूडी ने गुरुवार को कहा कि खिलाड़ियों का आईपीएल और आईएलटी20 जैसी प्रतिस्पर्धी लीग में प्रदर्शन इस बार काफी मायने रखेगा क्योंकि इसका टी20 विश्व कप से पहले टीम चयन पर असर पड़ेगा। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का इस चरण का टी20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा।

मूडी ने आईएलटी20 की डेजर्ट वाइपर्स टीम द्वारा करायी गयी वर्चुअल बातचीत के दौरान कहा, मार्च और मई के बीच खेली जाने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साथ अन्य टी20 लीग जैसे आईएलटी20 किसी भी खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कोई भी घरेलू टीम इन टूर्नामेंट में इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेगी

क्योंकि इन लीग में काफी बेहतरीन क्रिकेट खेला जाता है।

न्होंने कहा, अगर आप रन जुटा रहे है, क्रिकेट झटक रहे हैं और निरंतरता दिखा रहे हैं तो इससे आप अच्छी स्थिति में पहुंच जाते हैं क्योंकि इससे चयन के लिए कठिन फैसले लेने में मदद मिलती है। मूडी ने कहा, इससे आपको इस तरह का आत्मविश्वास मिलता है जो टी20 विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए अहम है।भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी हाल में इसी तरह के विचार व्यक्त किये थे।आईपीएल 2024 का आगाज मार्च में होना है। बीसीसीआई ने अभी तक इलेक्शन के चलते शेड्यूल का ऐलान नहीं किया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि मई के अंत तक इस लीग का समापन होगा। वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से होगा। भारत 5 जून को अपना पहला मुकाबला खेलेगा।आईसीसी के नियमों के अनुसार सभी देशों को टूर्नामेंट के लिए अपने-अपने स्क्वॉड का ऐलान 1 महीने पहले करना होता है, ऐसे में खिलाड़ियों के पास आईपीएल के पहले लेग में ही चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का मौका रहेगा।

नवीन उल हक का ये कैच देख आप भी कहेंगे भई वाह, SA20 में बने सुपरमैन

ल्यूस डु प्लोय रीस टॉपली को कवर्स के ऊपर से शॉट लगाना चाहते थे। कदमों का इस्तेमाल कर ल्यूस डु प्लोय ने जोरदार प्रहार किया, मगर 30 गज के घेरे में तैनात नवीन ने हवा में डाइव लगाकर सुपमैन कैच पकड़ा।

नई दिल्ली.एजेंसी

अफगानिस्तानी क्रिकेटर नवीन उल हक का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो में वह एक हैरतअंगेज कैच पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो साउथ अफ्रीका में जारी 20 लीग का है।

गुरुवार की रात लीग का दूसरा क्वालीफायर डरबन सुपर जायंट्स बनाम जॉबबर्ग सुपर किंग्स के बीच खेला गया। इस लीग में नवीन डरबन सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं और उन्होंने फील्डिंग में जॉबबर्ग सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज ल्यूस डु प्लोय का हैरतअंगेज कैच पकड़ हर किसी को हैरान कर दिया।

टी20 वर्ल्ड कप चयन के लिए आईपीएल का प्रदर्शन कितना जरूरी, कोच ने किया एक्सप्लेन

इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए डरबन की टीम ने हेनरिक क्लासेन की 30 गेंदों पर 70 रनों की धुआंधार पारी के दम पर 211 रन बोर्ड पर लगाए थे, इस स्कोर का पीछा करने उतरी जॉबबर्ग सुपर किंग्स को पहला झटका फाफ डुप्लेसिस के रूप में लगा। टीम अभी इस झटके से उभर भी नहीं पाई थी कि नवीन उल हक ने यह शानदार कैच पकड़ उनके साथी सलामी बल्लेबाज ल्यूस डु प्लोय को भी 10 के निजी स्कोर पर पवेलियन की राह दिखा दी।

बात विकेट की करें तो, तीसरे ओवर की 5वीं गेंद पर ल्यूस डु प्लोय रीस टॉपली की गेंद पर कवर्स के ऊपर से शॉट लगाना चाहते थे। कदमों का इस्तेमाल कर ल्यूस डु प्लोय ने जोरदार प्रहार किया, गेंद काफी तेजी से जा रही थी मगर 30 गज के घेरे में तैनात नवीन ने हवा में डाइव लगाकर सुपमैन कैच पकड़ा।

इन शुरुआती झटकों से जॉबबर्ग सुपर किंग्स उभर नहीं पाई और 212 रनों के लक्ष्य के सामने वह लगातार अंतराल में विकेट खोती रही। 17.4 ओवर में जॉबबर्ग सुपर किंग्स की पूरी टीम 142 रनों पर ढेर हो गई। टीम का कोई भी बल्लेबाज इस दौरान 40 रनों का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। डरबन सुपर जायंट्स ने 69 रनों से इस मैच को अपने नाम कर शान से फाइनल में कदम रखा।

दूसरी बार पिता बनने वाले हैं विराट कोहली बयान से पलटे एबी डिविलियर्स, मांगी माफी और कहा...

विराट कोहली इन दिनों क्रिकेट से ब्रेक पर हैं। विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच से आउट हो गए थे और अब बचे हुए तीन मैच में भी वापसी मुश्किल ही नजर आ रही है।

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के आखिरी तीन टेस्ट मैच खेलेंगे या नहीं? इस पर सस्पेंस बना हुआ है। सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों से विराट कोहली ने ब्रेक लिया था, अभी कुछ दिन पहले ही साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और विराट के अच्छे दोस्त एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा था कि विराट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं और फिलहाल अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। एबीडी ने अब इस बयान के लिए फैन्स से माफी मांगी है। एबीडी ने कहा कि उनसे बहुत बड़ी गलती हो गई है और उन्होंने जो जानकारी विराट को लेकर दी थी, वह गलत थी। विराट के ब्रेक लेने के कुछ दिन बाद ऐसी खबरें आने लगीं कि उनकी मां बीमार हैं, इस वजह से उन्होंने ब्रेक लिया है। हालांकि बाद में विराट के भाई विकास कोहली ने सोशल मीडिया पर इस बात को पूरी तरह से गलत बताया था।

एबी डिविलियर्स ने दैनिक भास्कर पर कहा, क्रिकेट बाद में आता है, सबसे पहले परिवार आता है। मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई, मैंने जो जानकारी दी, वह गलत थी। विराट कोहली को देश के लिए खेलते हुए बीच में ब्रेक लेने का पूरा अधिकार है। परिवार सबसे पहले आता है और उसके बाद क्रिकेट।

विराट कोहली फैमिली इमरजेंसी के चलते बाहर हैं। वह इस समय कहां हैं किसी को भी नहीं पता है। विराट कोहली के दुनियाभर में जितने भी फैन्स हैं, वह बस उनके लिए बेस्ट विश करें। विराट कोहली के ब्रेक लेने का जो भी कारण हो, उम्मीद करता हूं कि वह और मजबूत होकर मैदान पर वापसी करेंगे।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच राजकोट में 15 फरवरी से खेला जाना है। पहले दो टेस्ट मैच के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए अभी तक भारतीय स्क्वॉड का ऐलान नहीं किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की सीनियर मेंस सिलेक्शन कमिटी विराट कोहली से संपर्क करने की कोशिश कर रही है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 10 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

'140 करोड़ भारतवासियों के गौरव का प्रतीक'

भारतीय सेना के अदम्य साहस के गौरवशाली क्षण को देख अभिभूत हुए सीएम

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय सेना 140 करोड़ भारतवासियों के गौरव का प्रतीक है। सेना के शौर्य व पराक्रम पर कोई भी भारतीय संदेह नहीं करता। देशवासी इसके शौर्य व पराक्रम को न केवल जानते हैं, बल्कि अटूट विश्वास भी करते हैं। भारतीय सेना का स्वर्णिम इतिहास रहा है। हमारे सैनिकों ने युद्ध काल व शांतिकाल में देश की रक्षा व सेवा का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। जीवन की परवाह किए बिना भारतीय जवानों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में दुर्गम स्थानों पर रहकर भारत की एकता-अखंडता व संप्रभुता की सदैव रक्षा की है। भारत की आजादी के बाद गठित होने वाली पहली रेजीमेंट के रूप में यह गौरव गोरखा राइफल को प्राप्त है। उक्त बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 11 गोरखा राइफल रेजीमेंटल सेंटर में आयोजित 'किरांति शौर्य समारोह' में कहीं। सीएम ने सैनिकों के हैरतअंगेज प्रदर्शन को भी देखा।

बच्चों ने कराटे व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। आर्तकियों से निपटने में सक्षम भारतीय सेना की शौर्य गाथा को भी देख दर्शकों ने तालियों से सैनिकों का उत्साहवर्धन किया। भारतीय सेना के अदम्य साहस के गौरवशाली क्षण को देख सीएम भी अभिभूत हो गए। सीएम ने वीर नारियों को सम्मानित भी किया और सेंटर के सफलतापूर्वक 75 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी।

वीरभूमि है उत्तर प्रदेशः सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश वीरभूमि है। यह महान क्रांतिकारी मंगल पांडेय, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, शहीद चंद्रशेखर आजाद, पं. रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, वीर हमीद की भूमि है। देश की सुरक्षा के लिए हर लड़ाई में जवानों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अनेक वीरों ने शौर्य व पराक्रम के माध्यम से देश की सुरक्षा करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। अनुशासन, देशभक्ति और युद्ध कौशल गोरखा रेजीमेंट की पहचान है। गोरखा की शौर्यगाथा का उल्लेख सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विश्व की अनेक सेनाओं ने किया है। गोरखा अपनी बहादुरी का परिचय शब्दों से नहीं, बल्कि सीमा पर तैनाती के दौरान अपनी वीरतापूर्ण कार्रवाई से देते हैं। सीएम ने कहा कि वीर व पराक्रमी जवानों की 11वीं गोरखा रेजीमेंट लखनऊ में है। अपनी स्थापना के बाद कई युद्ध लड़े हैं।

सैनिकों व वीर नारियों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध

सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार सेवारत, सेवानिवृत्त सैनिकों व वीर नारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सीमाओं पर सुरक्षा में प्राणों की आहूति देने वाले सैनिकों के परिजनों को प्रदेश सरकार 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि व सरकारी नौकरी की व्यवस्था भी की है। राज्य सरकार गोरखपुर में प्रदेश के पांचवें सैनिक स्कूल के निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का अभियान प्रारंभ किया है। पहली जनवरी को वृंदावन मथुरा में रक्षा मंत्री ने समविद गुरुकुलम बालिका सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया गया है। सीएम ने कहा कि आज युवाओं के लिए सेना में शामिल होने के लिए कार्यक्रम आगे बढ़ रहे हैं। 21वीं सदी के चुनौतियों के अनुरूप वीर सपूतों के शिक्षण व प्रशिक्षण के लिए प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना की है। इसका एक परिसर लखनऊ में प्रारंभ हो चुका है।

सुप्रीम कोर्ट उम्रकैद की सजा अवधि पर सुनवाई करने को तैयार

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा का मतलब जीवन भर या उससे कम के सवाल पर सुनवाई करने का फैसला किया है। जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। यह याचिका सीरियल किलर चंद्रकांत झा ने दायर की है। चंद्रकांत झा 2003 से लेकर 2007 तक छह हत्याओं का दोषी है। चंद्रकांत झा पर आरोप था कि वो तिहाड़ जेल के बाहर सिरकटी लाशें फेंककर पुलिस को पकड़ने की चुनौती देता था। इस मामले में चंद्रकांत झा को ट्रायल कोर्ट से उम्रकैद की सजा मिली है। उम्रकैद की सजा पर मुहर लगाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट

ने कहा था कि चंद्रकांत झा को वास्तविक मौत होने तक हिरासत में रखा जाए। चंद्रकांत झा की ओर से पेश वकील ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मौत की सजा या उम्रकैद की सजा का प्रावधान है। विधायिका ने धारा 302 के प्रावधान में कोई संशोधन नहीं किया है या कहा है कि उम्रकैद का मतलब वास्तविक मौत तक कैद।

पुलिस को जांच करने से रोका जाता हैः जस्टिस गांगुली

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस अभिजीत गांगुली ने एक मामले में सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि उन्हें पुलिस पर काफी भरोसा है। कोई अलग शिकायत नहीं है लेकिन पुलिस को काम नहीं करने दिया जाता। उन्होंने हेयर स्ट्रीट थाने के ओसी को आधे घंटे के अंदर कोर्ट में पेश होने को कहा। पुलिस की ओर से बताया गया कि देरी हुई क्योंकि उन्हें देर से उपस्थिति के बारे में पता चला। जज ने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के कारण उन्हें पेशी से छूट दी गई है। आरोप था कि पीएफ भ्रष्टाचार मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। इसके बाद जस्टिस गांगुली ने हेयर स्ट्रीट थाने के ओसी को आधे घंटे के अंदर कोर्ट में पेश होने को कहा। उनके निर्देश के बाद प्राथमिकी दर्ज की गयी। इसके बाद हेयर स्ट्रीट थाने के ओसी सुमित दासगुप्ता कोर्ट में पेश हुए। इसके अलावा, कोलकाता पुलिस के कानून विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त भी सुनवाई में शामिल हुए।

'मुख्यमंत्री के खिलाफ अधिकारियों का 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' कब तक?'

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल

बड़वानी जिले में तहसीलदार के द्वारा आदिवासी किसान को थप्पड़ मारे जाने के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से सवाल पूछा है। उन्होंने कहा है कि मध्य प्रदेश में अधिकारी जनता से लगातार अभद्र व्यवहार कर रहे हैं, परंतु मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही किसी करवाई का कोई असर नहीं होता दिख रहा है। ताजा मामले में रास्ते के विवाद और जमीन की जांच के लिए मौके पर पहुंचे तहसीलदार यदि सरकारी प्रक्रिया का वीडियो बनता देखकर भड़क गए तो मुख्यमंत्री को यह बताना ही चाहिए कि लगातार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना क्यों हो रही है? मुख्यमंत्री के खिलाफ अधिकारियों द्वारा चलाया जा रहा, यह "सविनय अवज्ञा आंदोलन" आखिर कब रुकेगा? जीतू पटवारी ने शुक्रवार को अपने बयान में कहा कि मुख्यमंत्री स्तर पर कार्रवाई के बावजूद मध्य प्रदेश की जनता से मध्य प्रदेश शासन के अधिकारियों के द्वारा की जा रही अभद्रता की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। हर बार पहले की तुलना में और अधिक आपत्तिजनक रूप में लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी सरकार को चेताया था कि मध्यप्रदेश

मांगा जवाब

8 समानांतर सत्ता दमदारी से काम कर रही है, कार्रवाइयों/ चेतावनियों के बाद भी घटनाएं रुक नहीं रही हैं

में नौकरशाही की एक समानांतर सत्ता दमदारी से काम कर रही है, कार्रवाइयों/ चेतावनियों के बाद भी घटनाएं रुक नहीं रही हैं। यह शक्ति केंद्र विधायकों, मंत्रियों, मुख्यमंत्री से भी बहुत अलग और ऊपर है। इतना ज्यादा ऊपर कि उसे नियंत्रित करना सरकार के बस के बाहर है। पटवारी ने कहा कि शाजापुर में ड्राइवर से औकात पूछने वाले कलेक्टर, देवास में किसानों से अभद्रता करने वाली तहसीलदार, बांधवगढ़ में युवकों को लाठी से मारने वाले एसडीएम से लेकर भाजपा के कार्यकर्ता और नेता तक सभी जनता से लगातार अभद्रता कर रहे हैं परंतु मुख्यमंत्री के स्तर पर कार्रवाई के बावजूद घटनाएं रुक नहीं रही हैं बल्कि पहले की तुलना में अधिक आपत्तिजनक रूप में सामने आ रही हैं! उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया की यदि हालात जल्दी ही नहीं सुधरे, तो "सरकार" और "सर्कस" के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाएगा।